सांध्य ज्योति दर्पण

www.dainiksandhyajyotidarpan.com

वर्ष 36 | अंक 195 | भरतपुर, बुधवार 20 नवम्बर, 2024 | जयपुर, अलवर, नागौर व भरतपुर से एक साथ प्रकाशित | पृष्ठ 8 मूल्य 1 रू.

कोटा मंडल ने सवारी गाड़ियों....
पेज-3

एक नहीं है एजुकेशन लोन....
पेज-7

E-mail btpsjd@gmial.com, sjdbtp@yahoo.co.in

भरतपुर कौशल महोत्सव में 2400 से अधिक युवाओं को नौकरी मिली

युवाओं का कौशल विकास कर विभिन्न विधाओं से जोडा जायेगा - चौधरी

भरतपुर 20 नवम्बर। कौशल विकास एवं उद्यमशीलता मंत्रालय द्वारा आयोजित भरतपुर कौशल महोत्सव में मंगलवार को 2400 से अधिक युवाओं को विभिन्न सैक्टरों की दिग्गज कम्पनियों से नौकरी के ऑफर मिले।

कार्यक्रम की अध्यक्षता केन्द्रीय कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) जयन्त चौधरी ने की, विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रदेश के कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता राज्य मंत्री के.के. विश्नोई, विश्वकर्मा कौशल बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार रहे। केन्द्रीय राज्य मंत्री चौधरी ने भरतपुर की कौशल विकास योजना को प्रभावी ढंग से लागू करने में सामुदायिक भागीदारी के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने राज्य की इन्वेस्टमेन्ट समिट्स के माध्यम से उद्योग समर्थक नीतियों को आकर्षित करने के लिए एनएसडीसी और एमएसडीई के सहयोगपूर्ण प्रयासों पर प्रकाश डाला, जिससे दूरदराज के क्षेत्रों में युवाओं के लिए अवसर खुल गए। उन्होंने सिद्ध और जॉबएक्स जैसे प्लेटफार्मों के माध्यम से कौशल बढ़ाने पर जोर दिया, जो उद्योग की मांगों, सर्टिफिकेशन और पाठ्यक्रमों में इनसाइट्स देकर स्किल गैप को कम करते हैं। उन्होंने कहा आज यहां मौजूद कंपनियां आस-पास के इलाकों में नौकरियों की पेशकश कर रही हैं, जिससे

कार्यक्रम को सम्बोधित करते जयंत चौधरी।

भरतपुर के युवाओं को एक महत्वपूर्ण अवसर मिल रहा है। हमारे प्रधानमंत्री के लाइफलॉन्ग लर्निंग के विजन से प्रेरित होकर, हम सभी के लिए शिक्षा और रोजगार के रास्ते बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं, चाहे उनकी उम्र या स्थान कुछ भी हो।

उन्होंने स्थानीय प्रतिभाओं को अच्छी कम्पनियों के साथ प्रभावी ढंग से जोड़ने और क्षेत्र में आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए इस पहल की प्रशंसा की। पिछले महीने भरतपुर के 3,500 से ज्यादा युवाओं ने स्किल इंडिया डिजिटल हब (सिद्ध) पर रजिस्ट्रेशन कराया और पाँच दिवसीय इन्टेन्सिव जॉब-रेडीनेस प्रोग्राम में हिस्सा लिया, जिसमें सॉफ्ट स्किल्स और असेंबली लाइन ऑपरेशन्स और कस्टमर केयर जैसी भूमिका-विशिष्ट क्षमताओं पर प्रशिक्षण शामिल था। पाँच दिवसीय इन्टेन्सिव जॉब-रेडीनेस प्रोग्राम का समापन मेगा भर्ती मेले - कौशल महोत्सव के साथ हुआ-जिसमें 3,000 से ज्यादा युवा वॉक-इन इंटरव्यू के लिए शामिल हुए। कौशल, रोजगार एवं उद्यमिता राज्य मंत्री के.के. विश्नोई ने कहा कि प्रदेश सरकार युवाओं के कौशल उन्नयन के साथ स्वरोजगार व रोजगार के लिए संकल्पबद्ध होकर कार्य कर रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए प्रदेश सरकार द्वारा युवाओं के कौशल विकास, खेल गतिविधियों में बढावा देने, नवीन आईटी की प्रतिभाओं को निखारने के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में राईजिंग राजस्थान की बदौलत प्रदेश उद्योगों का हब बनने जा रहा है।

विश्वकर्मा कौशल बोर्ड के अध्यक्ष रामगोपाल सुथार ने प्रदेश सरकार द्वारा युवा शक्ति के नवनिर्माण एवं कौशल विकास के लिए किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी तथा युवाओं को भारत की अमूल्य शक्ति बताया। भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने कौशल महोत्सव को भरतपुर के युवाओं के लिए महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे युवाओं के कौशल में निखार आयेगा।

संभाग स्तरीय अमृता हाट का शुभारम्भ आज

भरतपुर 20 नवम्बर। संभाग स्तरीय अमृता हाट का शुभारम्भ बुधवार को दोपहर 2 बजे ग्रामीण हाट, कंपनी बाग में मुख्य अतिथि के रूप में जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव द्वारा किया जायेगा।

महिला अधिकारिता विभाग के उपनिदेशक राजेश कुमार ने बताया कि अमृता हाट में महिला स्वयं सहायता समूहों के द्वारा निर्मित, मूल्य संवर्धित उत्पादों के प्रदर्शन, विपणन तथा उनकी अलग पहचान स्थापित करने का अवसर प्रदान किया जायेगा। उन्होंने बताया कि संभाग स्तरीय अमृता हाट 20 से 26 नवम्बर तक ग्रामीण हाट, कम्पनी बाग में आयोजित की जायेगी। अमृता हाट में राज्य के सभी 50 जिलों से महिला स्वयं सहायता समूह की महिलाओं व महिला आर्टिजन्स द्वारा स्वरोजगार हेतु निर्मित विभिन्न प्रकार के उत्पादों की स्टॉल उचित दर पर लगाई जा रही है जो कि महिला सशक्तिकरण का अनूठा प्रयास है। उन्होंने बताया कि अमृता हाट में खिलौने, टेराकोटा, बैडशीट, कशीदाकारी कपड़े, हाथ से निर्मित विभिन्न सामान, साबुन, जूते-चप्पल, पेंटिंग, रेडीमेड कपड़े, खेस, दरी-चादर, शहद, पापड़ बड़ी, मसाले, लाख की चूड़ियों, पंजाबी सूट नागोरी मेथी, कपड़े के बैग एवं अन्य सामान आदि की स्टॉल लगाई जायेंगी।

विधायक बोले भरतपुर व डीग जिले को एनसीआर व टीटीजेड से कराया जाए मुक्त

भरतपुर में आयोजित हुए कौशल महोत्सव कार्यक्रम में विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री जयन्त चौधरी से भरतपुर को एनसीआर और टीटीजेड से मुक्त कराने की मांग की। डॉ. गर्ग ने कौशल महोत्सव समारोह को सम्बोधित करते हुये कहा कि भरतपुर और डीग जिले को एनसीआर तथा टीटीजेड में शामिल किया हुआ है। जिसकी वजह से यहां पर कोई भी उद्योग नहीं लग पा रहे हैं और न ही एनसीआर का लाभ मिल पा रहा है। उन्होंने केन्द्रीय जयन्त चौधरी से आग्रह किया कि वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से चर्चा कर भरतपुर व डीग जिले को एनसीआर व टीटीजेड से मुक्त कराये ताकि यहां पर उद्योग धंधे विकसित हो सकें। उन्होंने कहा कि भरतपुर में उद्योगपति उद्योग लगाने के लिये 500 करोड से अधिक का इनवेस्टमेंट करने को तैयार हैं लेकिन एनसीआर की वजह से उद्योग नहीं लग पा रहे हैं। भरतपुर व डीग जिला एनसीआर क्षेत्र में होने की वजह से किसानों, व्यापारियों, युवाओं, उद्योगपतियों को समस्याओं से जुझना पड रहा है। उद्योग नहीं लगने के कारण शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार के लिए भटकना पड रहा है। डॉ. गर्ग ने सम्बोधित करते हुये केन्द्रीय मंत्री चौधरी से कहा कि वे भरतपुर में रोजगार के साधन उपलब्ध कराये ताकि बेरोजगार युवाओं को भरतपुर में ही रोजगार मिल सके। एनसीआर व टीटीजेड से मुक्ति दिलाकर भरतपुर व डीग की जनता के साथ न्याय करें। अगर एनसीआर व टीटीजेड से मुक्ति मिल जायेगी तो भरतपुर के लिये यह बहुत बडी सौगात होगी तथा किसानों, युवाओं, व्यापारियों, उद्योगपतियों के लिए लाभ मिल सकेगा।

प्रतियोगिता के विजेता खिलाडियों का स्वागत करते प्राचार्य।

अन्तर महाविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता में एमएसजे कॉलेज बना विजेता

भरतपुर 20 नवम्बर। महाराजा सूरजमल बृज विश्वविद्यालय भरतपुर के तत्वाधान में अन्तर महाविद्यालय बॉक्सिंग प्रतियोगिता का आयोजन पीजी बॉयज कॉलेज, कुम्हेर में किया गया। प्रतियोगिता में एमएसजे कॉलेज के छात्रों ने वेट कैटेगरी में मेडल जीते जिसमें यशवंत सिंह ने 51 से 54 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल, गौरव शर्मा ने 6 7 से 71 किग्रा में गोल्ड मेडल, मानवेंद्र सिंह ने 72 से 75 किग्रा में सिल्वर मेडल, संदेश छोंकर ने 51 से 54 किग्रा में गोल्ड मेडल, अभिषेक ने 6 0 से 6 3 किग्रा में ब्रॉन्ज मेडल, रुचि कुमारी ने 52 से 54 किग्रा में गोल्ड मेडल, कृपा ने 54 से 57 किग्रा में गोल्ड मेडल, प्राप्त किये। इस अवसर पर एम.एस.जे. कॉलेज के प्राचार्य प्रो. डॉ. हरबीर सिंह ने मेडल विजेता विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रो. डॉ. मगन प्रसाद, टीम प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. पप्पू लाल मीणा एवं देशमुख सिंह उपस्थित रहें।

महिला आत्म सुरक्षा प्रशिक्षण का समापन

भरतपुर 20 नवम्बर। महारानी श्री जया राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में महिला प्रकोष्ठ, राजस्थान राज्य महिला नीति 2021 एवं आंतरिक शिकायत समिति के तत्वावधान में महिला आत्मसुरक्षा के विषयान्तर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन प्राचार्य प्रो. डॉ. हरबीर सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. डॉ. इला मिश्रा ने की। प्रशिक्षण हैड कान्सटेबल चंचल चौधरी व मिथलेश फौजदार ने दिया। छात्राओं को आत्मरक्षा की तकनीक के अंतर्गत हुक, हाफ एवं कनपटी पंच, गर्दन पंच आदि का शारीरिक प्रशिक्षण भी दिया गया। छात्राओं को संबोधित करते हुए प्रो. डॉ. इला मिश्रा ने कहा कि महिला आत्म सुरक्षा की जानकारी और प्रशिक्षण हर महिला के लिए जरूरी है ताकि वे हर परिस्थिति में सुरक्षित महसूस कर सके। विभिन्न संकायों की छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण लिया। कार्यक्रम में प्रो. डॉ. सरोज देवी, प्रो. डॉ. उषा रानी शर्मा, डॉ. सरिता सिंह, डॉ. अंजना शर्मा, श्रीमती डिम्पल जायसवाल, डॉ. ममता सिंघल, नेहा मीणा, विनिता रैकवार, दीपिका सिंह, चन्द्रकला भण्डारी, अनुरूप आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. कमलेश वर्मा ने किया।

नारी सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाई रानी लक्ष्मीबाई की जयंती

भरतपुर 20 नवम्बर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से वीरांगना रानी बाई लक्ष्मी जयंती को नारी सशक्तिकरण दिवस के रूप में मनाया गया जिसमें जिला संयोजक दौलत शर्मा कंजौली का प्रवास रहा।

दौलत शर्मा ने रानी लक्ष्मीबाई के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि रानी लक्ष्मीबाई जिन्हें झांसी की रानी भी कहा जाता है 18 57 के भारतीय विद्रोह में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति थीं। उन्हें भारत के सबसे महान स्वतंत्रता सेनानियों में से एक माना जाता है। रानी लक्ष्मीबाई का जन्म 19 नवंबर 18 28 को वाराणसी शहर में हुआ था। उनका नाम मणिकर्णिका तांबे और उपनाम मनु था। उनके पिता मोरोपंत तांबे और उनकी माँ भागीरथी बाई थी, वे आधुनिक महाराष्ट्र से थीं। चार साल की उम्र में उनकी माँ का निधन हो गया। उनके पिता बिठोर जिले के पेशवा बाजी राव द्वितीय के अधीन युद्ध के कमांडर थे। रानी लक्ष्मीबाई की शिक्षा घर पर ही हुईए वे पढ़-लिख सकती थीं और बचपन में अपनी उम्र की अन्य लड़कियों की तुलना में अधिक स्वतंत्र थीं। उनकी पढ़ाई में निशानेबाजी, घुड़सवारी और तलवारबाजी शामिल थी जो उस समय भारतीय समाज में महिलाओं के लिए सांस्कृतिक अपेक्षाओं के विपरीत थी।

पवन चिकसाना ने बताया कि आज के युवाओं को रानी लक्ष्मीबाई के जीवन से प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए और आज के समय नारी अबला नहीं है। वह समझ में एक सशक्त रूप से आगे बढ़ रही है और अपनी पहचान बना रही है। इस अवसर पर अंकुर सैनी, विनोद कुमार गर्ग, देवेश चिकसाना आदि उपस्थित रहे।

सवा किलो गांजा के साथ महिला गिरफ्तार

भरतपुर 20 नवम्बर। सेवर थाना क्षेत्रांतर्गत देर रात्रि एनएच- 21 पर स्थित एक होटल पर पुलिस ने छापा मारकर 1 किलो 178 ग्राम गांजा जप्त कर एक महिला को गिरफ्तार किया है। सेवर थाना पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि सोमवार की रात्रि सूचना मिली कि एनएच-21 पर स्थित होटल कमाण्डो पर गांजा रखा हुआ है जिस पर पुलिस टीम कमाण्डो होटल पहुंची और होटल की तलाशी के दौरान रिसेप्शन के काउंटर में एक किलो 178 ग्राम गांजा रखा हुआ मिला। पुलिस ने वहां से दुर्गा सहारे पत्नी संजय सहारे उम्र 48 निवासी वार्ड नं. 2, मकान नं. 166 थाना डूंगरी हिंगाना जिला नागपुर महाराष्ट्र को गिरफ्तार किया है।

एनएसएस स्वयंसेविकाओं को दिलवाई राष्ट्रीय एकता की शपथ

भरतपुर 20 नवम्बर। रामेश्वरी देवी कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में प्राचार्य प्रो. सुजाता चौहान की अध्यक्षता में 'कौमी एकता सप्ताह' के अन्तर्गत छात्राओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलवाई गई।

प्राचार्य प्रो. चौहान ने इस प्रकार के दिवसों के आयोजन की सार्थकता पर प्रकाश डालते हुए छात्राओं को राष्ट्रीय एकता, सद्भावना एवं सौहार्द बनाये रखने में तथा शांति एवं अहिंसात्मक वातावरण की स्थापना में अपना योगदान देने के लिए प्रेरित किया। वरिष्ठ संकाय सदस्य डॉ. मधु शर्मा ने देश की एकता एवं अखंडता में सरदार वल्लभभाई पटेल के योगदान पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को उनके जीवन दर्शन का अनुसरण करने के लिए प्रेरित किया। एनएसएस प्रभारी एवं कार्यक्रम अधिकारी दीवान सिंह ने कौमी एकता सप्ताह के अंतर्गत आयोजित होने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। इस अवसर पर प्रो.निशा गोयल, प्रो. रजनी वशिष्ठ, प्रो. लक्ष्मी गुप्ता, डॉ.साधना शर्मा डॉ. सरोज एवं राष्ट्रीय सेवा योजना की स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

बीईएसएल कार्यालय पर जनसुनवाई करते हुए।

बिजलीघर पर हुई बीईएसएल की जनसुनवाई

भरतपुर 20 नवम्बर। बिजली घर चौराहा स्थित भरतपुर इलेक्ट्रिसिटी सर्विसेज लिमिटेड के सब.डिविजनल कार्यालय बिजली घर पर मंगलवार को जनसुनवाई का आयोजन किया गया, जिसमें बीईएसएल के आलाधिकारी मौजूद रहे। बीईएसएल के जनसंपर्क अधिकारी सुधीर प्रताप सिंह ने बताया कि भरतपुर शहर के सिर्फ 14 उपभोक्ता ही बिजली से संबंधित अपनी शिकायतें लेकर जनसुनवाई में आए। ज्यादातर उपभोक्ता विद्युत बिल में किश्त करवाना चाहते थे। उन्होंने बताया कि सभी परिवादों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। इस मौके पर सहायक अभियंता नवनीत सिंह, सहायक राजस्व अधिकारी ए-1 राजू सिंह, कनिष्ठ अभियंता परितोष पाण्डेय, कनिष्ठ लिपिक शिवांगी उपाध्याय व अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

बिजली बंद आज

भरतपुर 20 नवम्बर। एचटी लाइन के मेंटेनेंस के चलते बुधवार को सुबह 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक 11 केवी जसवंत नगर फीडर की विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी।

सुपरवाईजर के पदों पर भर्ती चयन परीक्षा का आयोजन शुरू

भरतपुर 20 नवम्बर। जिले में एसएससीआई द्वारा सुरक्षा जवान एवं सुपरवाईजर चयन प्रक्रिया के लिए जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय द्वारा 12 स्थानों पर विद्यालयों में 1-1 कमरा उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए हैं।

जिला शिक्षा अधिकारी मुख्यालय माध्यमिक ने बताया कि 18 एवं 19 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय रूपबास, 20 एवं 21 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बयाना, 22 एवं 23 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय भुसावर, 25 एवं 26 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कामां, 27 एवं 28 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय कुम्हेर, 29 एवं 30 नवम्बर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नदबई, 2 एवं 3 दिसंबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सेवर, 4 एवं 5 दिसंबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय उच्चैन, 6 एवं 7 दिसंबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय वैर, 9 एवं 10 दिसंबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नगर, 11 एवं 12 दिसंबर को राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय पहाड़ी तथा 13 एवं 14 दिसम्बर राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय डीग में दो दिवसीय कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थियों जिनकी योग्यता सैनिक सुरक्षा जवान में 10 वीं पास, आयु 19 से 40 वर्ष, लंबाई 168 सेमी एवं सुपरवाईजर 12वीं पास आयु 21 से 37 वर्ष, लंबाई 170 सेमी होने के साथ ही शरीरिक फिजिकल फिट होना आवश्यक है। इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी निर्धारित तिथियों में अपनी 10 वीं एवं 12 वीं की अंक तालिका, दो पासपोर्ट साइज फोटो एवं आधार कार्ड के साथ कैंप में उपस्थित होकर इस अवसर का लाभ उठा सकते हैं। उन्होंने ने बताया चयनित अभ्यर्थियों को सफलता पूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात भारत सरकार राज्य सरकार के अधीन राष्ट्रीय बैंकों औद्योगिक प्रतिष्ठानों जैसे एस बी आई बैंक, यस बैंक, चित्तोड़गढ़ का किला, कुंभलगढ़ का किला, दिल्ली का लाल किला, चाँद बावड़ी आभानेरी, भानगढ़ का किला, कुतुब मीनार, गुड़गांव हीरो होंडा कंपनी में मानदेय दिया जाएगा।

शिवानी और हिमांशु ने जूडो में जीते गोल्ड मेडल

भरतपुर 20 नवम्बर। किला स्थित कराटियंस जूडो एकेडमी की शिवानी सिसोदिया और हिमांशु चौधरी ने भरतपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए 16 से 18 नवम्बर तक जेजेटी विश्वविद्यालय, झुंझुनूं में आयोजित हुई राज्य स्तरीय जूनियर एवं सीनियर जूडो प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। अब दोनों खिलाड़ी अगले महीने होने वाली सीनियर राष्ट्रीय जूडो प्रतियोगिता में भाग लेंगे।

कराटियन्स जूडो एकेडमी के डायरेक्टर व जूडो कोच ओंकार पंचोली ने बताया कि राजस्थान राज्य जूडो संघ के तत्वाधान में झुंझुनूं जिला जूडो संघ की ओर से 16 से 18 नवम्बर तक झुंझुनूं में राज्य स्तरीय जूनियर और सीनियर जूडो प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें किला स्थित कराटियंस एकेडमी के जूडो खिलाड़ी शिवानी सिसोदिया ने 57 किलो भार वर्ग में, हिमांशु चौधरी ने 6 0 किलो भार वर्ग में फाइनल राउंड तक सफर तय करके गोल्ड मेडल प्राप्त किया। वहीं अंकेश्वर बैलारा कला ने 90 किलो भार वर्ग में और न्यासा अग्रवाल ने 48 किलो भार वर्ग में भरतपुर जिले का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक प्राप्त किया। इस अवसर पर राजस्थान राज्य जूडो संघ के सचिव महिपाल ग्रेवाल, दिल्ली जूडो संघ के सचिव वीरेन्द्र वशिष्ठ, अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी और अंतर्राष्ट्रीय रेफरी रनवीर सोलंकी, अंतरराष्ट्रीय रेफरी ऋषिपाल धीमान ने मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया।

माननीया उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी ने भी दीप प्रज्जवलित कर दीपदान कार्य का किया शुभारंभ

जयपुर। नगर निगम ग्रेटर द्वारा सोमवार से जयपुर समारोह-2024 का आगाज किया गया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने मोती डूंगरी गणेश मन्दिर पहुंचकर प्रथम पूज्य भगवान गणेश को निमंत्रण दिया दीप प्रज्जवलन कर पूजा अर्चना की। इस अवसर पर गज पूजा के साथ महिलाओं द्वारा लाल चूनरी ओडकर महाआरती की गई। इसके बाद महापौर ने गंगापोल गेट पर विराजमान भगवान गणेश की पूजा अर्चना की। मोती डूंगरी मन्दिर पर शहनाई वांदन किया गया। सुन्दर बैण्ड द्वारा प्रस्तुति दी गई। महापौर ने इस अवसर पर जयपुरवासियों को जयपुर समारोह-2024 की शुभकामनाएं दी। महापौर ने कहा कि जयपुर अपनी सांस्कृतिक विरासत, धरोहर, परम्पराओं के लिये जाना जाता है। जयपुर की विरासत स्वच्छता अक्षुण्ण रखने के लिये हम सभी को प्रयास करना चाहिए। महापौर ने गोविंद देव जी मन्दिर पहुंचकर पूजा अर्चना की साथ ही जयपुरवासियों के साथ भजनों का भी आनन्द लिया। दीया कुमारी ने दीपदान कार्य म का शुभारंभ किया। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने लाल चुनरी उठाकर उनका

स्वागत किया। इस अवसर पर नगर निगम ग्रेटर के सांस्कृतिक समिति चैयरमेन दुर्गेश नन्दनी, चैयरमैन, पार्षद, पदमश्री पुरस्कार प्राप्त माया टंडन सहित गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की संकष्टी चतुर्थी मनाई

इस महीने रहेंगे श्रीराम-सीता विवाहोत्सव, गीता जयंती कालभैरव अष्टमी पर्व

श्रीमाधोपुर। मार्गशीर्ष मास के कृष्ण पक्ष की संकष्टी गणेश चतुर्थी व्रत सोमवार को किया। गणाधिप संकष्टी चतुर्थी तिथि पर अखंड सौभाग्य और समृद्धि की कामना से गणेशजी के लिए विशेष व्रत किया। मार्गशीर्ष माह 16 नवंबर 2024 से शुरू होकर 15 दिसंबर 2024 तक रहेगा। इसके बाद पौष माह की शुरुआत होती है। हिंदू धर्म में अगहन यानी मार्गशीर्ष महीना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। हिंदू पंचांग के अनुसार इसे हिंदी का 9वां महीना माना जाता है। यह महीना विशेष रूप से धार्मिक और आध्यात्मिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मार्गशीर्ष से श्रीकृष्ण का संबंध :- श्री रघुनाथ मंदिर महंत बुद्धि प्रकाश जोशी के अनुसार हिंदू धर्म में मार्गशीर्ष माह को बहुत शुभ माना जाता है। धार्मिक ग्रंथों में इसे भगवान श्रीकृष्ण का प्रिय महीना कहा गया है। क्योंकि श्रीमद्भगवद्गीता के दसवें अध्याय के विभूति योग में भगवान कृष्ण ने स्वयं कहा है- मासानां मार्गशीर्षोऽहम् इसका मतलब है कि साल के सभी महीनों में, मैं मार्गशीर्ष हूँ। ऐसा माना जाता है कि मार्गशीर्ष स्वयं भगवान श्रीकृष्ण का ही एक स्वरूप है। मार्गशीर्ष के शुभ अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की अनेक स्वरूपों पूजा की जाती है।

मार्गशीर्ष का महत्व :- धार्मिक मान्यताओं के अनुसार मार्गशीर्ष माह को भगवान कृष्ण ने विशेष महत्त्व प्रदान किया है। इस दौरान विधि पूर्वक किया गया व्रत और जप कई गुना अधिक फल दाई सवित होता है। इसके साथ ही अगहन माह में श्रीकृष्ण के उपदेशों का अध्ययन करना, भगवद्गीता का पाठ करना, और श्रीकृष्ण की उपासना करना अत्यंत फलदायी और ज्ञानवर्धक माना जाता है।

मार्गशीर्ष माह के प्रमुख त्योहार :- इस माह में कई महत्वपूर्ण व्रत और त्योहार आते हैं। जो हिंदू धर्म के अनुयायियों के लिए आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधियों से जुड़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

विवाह पंचमी- यह पर्व मार्गशीर्ष शुक्ल पंचमी को मनाया जाता है। इस दिन भगवान श्रीराम और माता सीता का विवाह उत्सव मनाया जाता है। मार्गशीर्ष पूर्णिमा को भगवान दत्तात्रेय का जन्मोत्सव मनाया जाता है।

सवाई मानसिंह अस्पताल में दी व्हील चेयर

जयपुर। लायन्स एवं वी क्लब जयपुर सेन्ट्रल स्पाईन द्वारा सवाई मानसिंह अस्पताल के धन्वन्तरी विभाग में दो व्हील चेंयर दी गई। कार्यक्रम संयोजक बसन्त जलेवा ने बताया कि क्लब की सदस्या कमला कुमारी ने अपने जन्मदिवस के उपलब्ध पर अस्पताल को व्हील चेयर भेंट की। इस अवसर पर धनश्याम उच्छेनीया, संगीता सेन, उर्मिला, अलका, ममता, नर्सिंग अधिक्षक धर्मसिंह आदि सदस्य उपस्थित थे।

भामाशाहो ने रखी कक्षा कक्ष व बरामदे की आधारशिला

श्रीमाधोपुर। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिहोडी में सोमवार को भामाशाहों द्वारा विद्यालय में एक कमरा मय बरामदा निर्माण की नींव रखी । प्रधानाचार्य राकेश कुमार कुलदीप ने बताया कि विद्यालय के पूर्व कर्मचारी घीसाराम डोडवाडिया की स्मृति में उनके सुपुत्रों सोहनलाल डोडवाडिया (प्राध्यापक), रामनाथ डोडवाडिया, व रामकिशोर डोडवाडिया (प्राध्यापक)द्वारा राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिहोडी में एक कक्षा कक्ष की नींव रखी। विदित रहे कि उक्त परिवार द्वारा विद्यालय आरंभ के समय घीसालाल डोडवाडिया के पिता भागूता डोडवाडिया द्वारा भी एक कक्ष बनवाकर विद्यालय आरंभ किया गया था

तथा स्वर्गीय घीसा राम डोडवाडिया की हार्दिक इच्छा अनुसार एक कक्षा कक्ष विद्यालय को देवें। उनके सुपुत्रों द्वारा उक्त कार्यक्रम में विद्यालय परिवार के साथ रघुनाथ डोडवाडिया , मंगलचंद डोडवाडिया, सुलतानाराम डोडवाडिया, ग्यारसी लाल महरिया, दुदाराम भावरिया , चुन्नीलाल वर्मा , कानाराम शर्मा, बहादुर महरिया, आदि ग्रामीणों की उपस्थिति में उनके सुपुत्रों ने कमरे की नींव रखी। प्रधानाचार्य राकेश कुमार कुलदीप , भामाशाह प्रेरक चन्द्र प्रकाश सैनी वरिष्ठ अध्यापक एवं समस्त विधालय परिवार ने डोडवाडिया का आभार व्यक्त किया।

गैर-निवासी राजस्थानी के शिकायतों के निस्तारण हेतु संपर्क केन्द्र स्थापित

धौलपुर। जिला स्तर पर गैर-निवासी राजस्थानी के विभिन्न शिकायतों, प्रकरणों, मुद्दों के गुणवत्तापूर्ण समयबद्ध निस्तारण हेतु नोडल संपर्क केन्द्र स्थापित किया गया है।

गैर-निवासी राजस्थानी की शिकायत निवारण और सहायता के लिए जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी द्वारा जिला स्तरीय गैर-निवासी राजस्थानी प्रकरण निस्तारण समिति का गठन किया गया है जिसमें अतिरिक्त जिला कलक्टर को नोडल अधिकारी, महाप्रबंधक उद्योग विभाग को सदस्य सचिव, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को सदस्य, क्षेत्रीय प्रबंधक रीको को सदस्य, जिला उद्योग अधिकारी को सदस्य नियुक्त किया गया है।

मृतक आश्रित अनुकम्पा नियुक्त

कनिष्ठ सहायकों की टंकण परीक्षा 29 नवम्बर को होगी आयोजित

धौलपुर। मृतक आश्रित अनुकम्पा नियुक्त कनिष्ठ सहायकों की टंकण परीक्षा का आयोजन 29 नवम्बर 2024 से राजकीय कन्या महाविद्यालय धौलपुर सैपऊ रोड धौलपुर पर 2 पारियों में प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक आयोजित की जायेगी। परीक्षा से संबंधित प्रवेश पत्र अभ्यर्थी जिला कलक्टर कार्यालय धौलपुर के स्थापना अनुभाग के कमरा न. 11 से कार्यालय समय में स्वयं प्राप्त कर सकते हैं। प्रवेश पत्र प्राप्त नहीं करने की स्थिति में परीक्षा में नहीं बैठने दिया जायेगा।

परिवहन कर्ता हेतु निविदा आमंत्रित

धौलपुर। सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत खाद्यान्न हैण्डलिंग एवं परिवहन कार्य हेतु परिवहन कर्ता की नियुक्ति हेतु जिला रसद कार्यालय धौलपुर में 6 दिसम्बर 2024 तक ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

निविदा के सम्बन्ध में प्री-बिड मीटिंग का आयोजन जिला रसद कार्यालय धौलपुर में 19 नवम्बर 2024 को दोपहर 3 बजे किया जायेगा। इच्छुक व्यक्ति व फर्म मीटिंग में उपस्थित होकर निविदा के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। निविदा की शर्ते एवं नियम एसएसपी पॉर्टल एवं eproc.rajasthan.gov.in पर उपलब्ध हैं।

दिव्यांगजनों को सहायक उपकरणों से लाभान्वित किये जाने हेतु 20 नवम्बर को शिविर आयोजित

धौलपुर। दिव्यांगजनों को संबल प्रदान करने हेतु कृत्रिम एवं सहायक उपकरणों से लाभान्वित किये जाने के लिए 19 नवम्बर को पंचायत समिति बाड़ी एवं धौलपुर विधानसभा स्तर पर शिविर का आयोजन पंचायत समिति सभागार धौलपुर में 20 नवम्बर 2024 को प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक किया जायेगा। साधना शर्मा ने बताया कि शिविर में स्थानीय जन प्रतिनिधियों एवं ग्रामीण स्तर के प्रतिनिधियों जैसे पार्षद सरपंच आदि को व्यापक प्रचार-प्रसार हेतु एवं ग्रामीण स्तर के कार्मिक जैसे ग्राम विकास अधिकारी, पटवारी, एएनएम व आंगनबाडी कार्यकतों के द्वारा अपने-अपने क्षेत्र में व्यापक प्रचार करने एवं अधिकाधिक दिव्यांगजनों को शिविर स्थल तक पहुंचाने हेतु निर्देशित किया गया है।

मेडिकल शिविर का हुआ आयोजन

सीकर। एडीपीसी राकेश कुमार लाटा ने बताया कि सोमवार को सरकारी विद्यालयों में अध्ययनरत विशेष आवश्यकता वाले विद्यार्थी लाभान्वित हुए राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद के निर्देशानुसार शिविर में विशेष आवश्यकता वाले छात्र- छात्राओ के लिए दो दिवसीय मेडिकल असेस्मेन्ट शिविर का आयोजन श्री हरदयाल राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में शुरू हुआ। शिविर में चिकित्सा, रोडवेज, शिक्षा विभाग एवं एलिम्को की अलग-अलग स्टॉल लगाकर विद्यार्थीयो को लाभान्वित किया गया। शिविर का अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक राकेश कुमार लाटा ने अवलोकन कर व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी ली तथा विशेष आवश्यकता वाले छात्र-छात्राओं एवं उनके अभिभावको से वार्ता कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए निर्देश दिये। उन्होंने बताया कि प्रथम दिवस में धोद से 30, पिपराली से 22, अजीतगढ से 21, पलसाना से 23, दांतारामगढ से 19, श्रीमाधोपुर से 11 विद्यार्थी लाभान्वित हुए।

प्रो भगवती सुदेश अंतराष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन में सम्मानित

जयपुर। अखिल भारतीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन के रजत जयन्ती वर्ष के उपलक्ष्य में संस्कृत भारती एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में त्रिदिवसीयअन्तर्राष्ट्रीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का आयोजन सत्यव्रती महाविधालय नई दिल्ली में 15-17नवम्बर तक आयोजित हुआ। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय जयपुर परिसर की पूर्व निदेशक प्रो भगवती सुदेश को भी सम्मानित किया गया। मुख्य अतिथि संध्या पूरेजा अध्यक्ष संगीत नाटक अकादमी नई दिल्ली विशिष्ट अतिथि पद्मश्रीगीता चंद्रन अध्यक्ष नाट्य वृक्ष संस्था दिल्ली थे। गौरतलब है प्रो भगवती सुदेश भारतीय संस्कृति की संवाहिका के साथ साथ संस्कृति के प्रचार प्रसार धर्मशास्त्र के गहन विषयों पर गहरी पकड़ है।केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की अनेक विशिष्ट समितियों सदस्या रही है अपितु प्रथम निदेशिका हैं। नूतन शिक्षा नीति की ि यान्वयन में आपकी विशिष्ट भूमिका है। न केवल शैक्षणिक स्तर पर अपितु समाज में भी संस्कृतमय वातावरण एवं संस्कृति के प्रचार प्रसार में उल्लेखनीय योगदान करने पर इन्हे शाल श्रीफल प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया,इससे पूर्व प्रो सुदेश को विभिन्लब्धप्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा सम्मानित किया गया है।

बसेड़ी कैम्प में विषेष योग्यजनों का किया गया चिन्हीकरण

धौलपुर। जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी के निर्देषानुसार पंचायत समिति बसेड़ी में विकास अधिकारी, बसेड़ी रामजीलाल मीना की अध्यक्षता में 18 नवम्बर को विषेष योग्यजन चिन्हीकरण षिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 40 विषेष योग्यजनों के आवेदन भरवाये गये, जिनमें 16 ट्राईसाइकिल, 5 श्रवण यंत्र, 11 कैलीपर, 2 स्मार्टफोन, 6 ब्लाइंडस्टिक के आवेदन प्राप्त हुए तथा इसके अलावा नये 47 के रजिस्ट्रेषन हुए जिनमें से 32 के प्रमाण पत्र जारी किये गये। शिविर में समाज कल्याण अधिकारी देवेन्द्र सिंह जांगल सहित जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आज का राशिफल

बुधवार, 20 नवम्बर, 2024

- **मेष :** किसी खास कार्य को लेकर किए गए प्रयासों में बेहतरीन सफलता मिलने वाली है। सिर्फ कोई भी निर्णय लेने से पहले उचित विचार-विमर्श अवश्य कर लें। कहीं फंसा हुआ पैसा मिल जाने से घर की देखरेख संबंधी गतिविधियां शुरू होंगी।
- **वृष :** ग्रह स्थिति में सकारात्मक बदलाव आया है। पिछले कुछ समय से बनाई गई योजनाओं को क्रियान्वित करने का अनुकूल समय आ गया है। आप थकान और तनाव से राहत पाने के लिए आराम और मनोरंजन के मूड में रहेंगे।
- **मिथुन :** अपनी काबिलियत पर भरोसा रखें तथा आगे बढ़े। आपको कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय लेने में सहजता महसूस होगी। पिछले कुछ समय से चल रहे कार्य संपन्न होंगे और अपना समय आराम और कलात्मक संबंधी कार्यों में व्यतीत करेंगे।
- **कर्क :** दिनचर्या में नयापन लाने के लिए कुछ रचनात्मक गतिविधियों पर भी समय व्यतीत करें। इससे मन प्रफुल्लित रहेगा। नए नए संपर्क बनेंगे और इनके मार्गदर्शन से आर्थिक समस्या भी दूर होगी। परिवार में कोई मांगलिक आयोजन की योजना बन सकती हैं।
- **सिंह :** अपने कार्यों को नियत समय पर करने का लिया गया संकल्प पूरा करने में सक्षम होंगे। किसी संबंधी अथवा मित्र के साथ चल रही गलतफहमियां दूर होगी तथा संबंध पुनः मधुर हो जाएंगे।
- **कन्या :** आज कोई रुकी हुई पेमेंट मिल सकती है, इसलिए प्रयासरत रहें। किसी पारिवारिक समस्या को दूर करने के लिए किया गया आपका प्रयास कामयाब रहेगा। अनुभवी लोगों के मार्गदर्शन और सलाह पर अमल करना फायदेमंद रहेगा।
- **तुला :** नई योजनाएं बनाने तथा उन्हें क्रियान्वित करने का अनुकूल समय है। सिर्फ चुनौतियों से घबराने की बजाय उनका मुकाबला करें। इससे सफलता के मार्ग भी खुलेंगे। रचनात्मक और धार्मिक क्रियाकलापों के प्रति रुझान रहेगा। किसी मित्र के साथ मुलाकात सकारात्मक साबित होगी।
- **वृश्चिक :** किसी संबंधी के माध्यम से अथवा फोन द्वारा कोई खास सूचना मिलेगी। मानसिक रूप से बहुत अधिक सुकून का अनुभव करेंगे। समझदारी से किया गया धन का विनिमय आपके लिए फायदेमंद रहेगा। बच्चों का ध्यान अपनी पढ़ाई पर फोकस रहेगा।
- **धनु :** दिन का कुछ समय आध्यात्मिक अथवा धार्मिक गतिविधियों में व्यतीत होगा, जिससे आप सकारात्मक ऊर्जा महसूस करेंगे। संतान के करियर से संबंधित किसी समस्या का भी हल जरूर निकलेगा।
- **मकर :** आज कोई पारिवारिक मसला हल होने से व्यवस्था ठीक हो जाएगी। सामाजिक व धार्मिक क्रियाकलापों में समय व्यतीत करने से आपको मानसिक सुकून और शांति मिलेगी। प्रॉपर्टी के लेनदेन संबंधी गतिविधियां भी आगे बढ़ेंगी।
- **कुंभ :** आप घर की साज-सज्जा व रचनात्मक कार्य में अपने आप को व्यस्त रखेंगे। घर के रखरखाव संबंधी सामान की ऑनलाइन शॉपिंग में भी समय व्यतीत होगा। विद्यार्थियों को करियर संबंधी कोई शुभ सूचना मिल सकती हैं।
- **मीन:** आर्थिक गतिविधियां सुधरेंगी। आपके सभी काम सुचारू रूप से संपन्न होते जाएंगे। किसी राजनीतिक व्यक्ति की भी सहायता मिलेगी। विद्यार्थियों तथा युवाओं को ऑनलाइन प्रतिस्पर्धा में सफलता मिल सकती हैं।

शयोर केयर्न फाउंडेशन का डेयरी विकास पशु प्रबंधन समुदाय में जन जागरूकता एवं जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु साझा प्रयास

बाड़मेर, 20 नवम्बर। कृषि डेयरी एवं पशुपालन हमारी अर्थव्यवस्था के आधार स्तंभ है। क्योंकि इससे हमारी खाद्य व्यवस्था जुड़ी हुई है। दुग्ध एवं दुग्ध उत्पादन हमारे खाद्य में न केवल विविधता लाते हैं। बल्कि पोषण प्रदान कर खाद्य समस्या से भी निजात दिलाते हैं। उक्त बात सोसायटी टू अपलिफ्ट रूरल इकोनामी बाड़मेर द्वारा केयर्न फाउंडेशन के सौजन्य से संचालित डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना के तहत दुग्ध संकलन केंद्र परिसर शैली ग्राम पंचायत डी एस की ढाणी में आयोजित विशाल जन जागरूकता प्रशिक्षण एवं कार्यशाला के आयोजन कार्यक्रम में संदर्भ व्यक्ति एवं कार्यक्रम प्रबंधक हनुमान राम चौधरी ने कहीं।

चौधरी ने उपस्थित अतिथियों दुग्ध उत्पादकों एवं ग्रामीणों का स्वागत करते हुए एवं प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्देश्य की विस्तार से स्पष्टता करते हुए कहा कि डेयरी व्यवसाय की सफलता दुधारू पशुओं की उत्पादन क्षमता उन पर आय खर्च तथा सहकारी डेयरी की उपलब्धियां पर निर्भर करती है। दुग्ध उत्पादक सहकार मंडली शैली द्वारा वर्ष 2023 -24 में 100 दुग्ध उत्पादकों को दिया जा रहा 541366.32 रुपए का बोनस समिति की सफलता की कहानी बयां कर रहा है वह सराहनीय एवं तारीफें काबिल है । चौधरी ने कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अधिक मात्रा में उपयोग से न सिर्फ फसल प्रभावित होती है इससे भूमि अम्लीय होने के साथ जिंक बोर्न जैसे सूक्ष्म तत्वों की लुपत्ता रोग प्रतिरोधक क्षमता व उर्वरता में कमी हवा और पानी प्रदूषण होने के साथ किसान मित्र जीव केंचुआ आदि मर जाते हैं।

वहीं उत्पादन अनाज सेवन से कैंसर गुर्दे लीवर पाचन तंत्र में विकार नपुंसकता एवं खून की कमी आदि गंभीर बीमारियां जकड़ लेती है।चौधरी ने वृहद स्तर पर वैज्ञानिक दृष्टि से डेयरी एवं पशुपालन व्यवसाय करने पर जोर देते हुए जैविक चारा जैविक खेती जैविक सब्जियां उत्पादन करने का आह्वान किया।

चौधरी ने पशु पोषण पशु स्वास्थ्य पशु चिकित्सा टीकाकरण पशुओं व पशुपालकों का बीमा उन्नत नस्ल सुधार और हरा चारागाह का विकास प्रदर्शन एवं उन्नत बीज वितरण विभागीय योजनाएं नशा एवं नशा के दुष्परिणाम वृक्षारोपण एवं महिला उधम प्रोत्साहन कार्यक्रम के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान कर परियोजना से जुड़कर उनका लाभ लेने हेतु प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम में वार्ड पंच ओखा राम देवासी ने कहा कि डेयरी विकास एवं पशुपालन परियोजना के तहत संचालित गतिविधियों से किसानों में जन जागरूकता आने के साथ सत्संग एवं संगठित हुए हैं। तथा कृषि डेयरी एवं पशुपालन में युवाओं की रुचि बढ़ने के साथ ही परिवारों में संस्कार संस्कृति सामाजिक एवं आर्थिक सुदृढ़ता आई है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में गणमान्य नागरिक एवं सामाजिक प्रतिष्ठित पंच देवाराम चौधरी ने कहा कि कृषि और पशुपालन का चोली दामन का साथ रहा है। सुखा एवं हरा चारा की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित कर कम खर्चे में अधिक उत्पादन लेने हेतु आह्वान किया।

दुग्ध उत्पादक सहकारी समिति अमरपुरा के सचिव गिरधारी राम चौधरी ने कहा कि पशुपालक स्वयं एवं पशुओं का बीमा कराकर अनहोनी होने पर परिवार को आर्थिक संबल मिले इस हेतु समझाईश की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहायक परियोजना समन्वयक मनीष नामा ने कहा डेयरी एवं पशु प्रबंधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की मुख्य धूरी है उन्होंने सहकारी डेयरी से जुड़कर आर्थिक उन्नयन की और अग्रसर होने हेतु प्रेरित किया।

सहायक परियोजना समन्वयक मालाराम चौधरी ने परियोजना के तहत किए जा रहे प्रयासों के साथ चारा बीट चुकंदर की महता उपयोगिता लगाने की विधि के बारे में विस्तार से जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में समिति सचिव तेजाराम चौधरी ने समिति द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी प्रदान की और समिति लाभांश में से प्रत्येक समिति के नियमित सदस्य को एक एक यू एम बी ईट समिति की ओर से प्रोत्साहन स्वरूप देने की घोषणा की। उक्त अवसर पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन कर विजेता प्रतिभाओं को आमंत्रित अतिथियों द्वारा स्मृति चिन्ह प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आमंत्रित अतिथियों का माल्यार्पण एवं स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका सम्मान किया गया।

कार्यक्रम में वार्षिक दूध बोनस में टॉप टेन प्रगतिशील दुग्ध उत्पादकों को उन्नत सब्जी किट एवं यू एम बी ईट पैकेट प्रोत्साहन स्वरूप वितरित किए गए। कार्यक्रम में प्रगतिशील दुग्ध उत्पादक एवं किसान दुर्गाराम चौधरी तेजाराम चौधरी देवजी राम चौधरी केसाराम चौधरी पूनमा राम देवासी डायाराम चौधरी लाखाराम भील सांवला राम राम नरसीराम अमरपुरा समिति सचिव गिरधारी राम चौधरी ग्रामीण महिला कार्यकर्ता छगन देवी ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम में 54 महिलाओं सहित कूल 144 दूध उत्पादकों एवं संभागियो ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में चारागाह विकास कार्यक्रम को बढ़ावा देने हेतु समिति के 64 प्रगतिशील सदस्यों को चारा बीट चुकंदर के बीज प्रोत्साहन स्वरूप वितरित किए गए।

कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी संभागियों को बैग एवं दुग्ध उत्पादन बढ़ाने के मुख्य सूत्र चारा बीट चुकंदर संतुलित पशु आहार निर्माण डेयरी एक फायदे अनेक निशुल्क पशु चिकित्सा वैन सुपर नेपियर घास इत्यादि जानकारी संबंधी पेपलेट एवं प्रशिक्षण संदर्भ सामग्री प्रोत्साहन स्वरूप वितरित किए गए। कार्यक्रम के सफल आयोजन में दुर्गाराम चौधरी देवजी राम चौधरी तेजाराम चौधरी मालाराम गोदारा गिरधारी राम चौधरी वीरनाथ स्वामी छगन देवी चेनाराम जाट इत्यादि का सक्रिय सहयोग रहा।

कार्यक्रम की समाप्ति पर समिति सचिव तेजाराम चौधरी ने विशाल जन जागरूकता प्रशिक्षण एवं कार्यशाला का आयोजन शैली में रखने के लिए शयोर केयर्न फाउंडेशन का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन हनुमान राम चौधरी ने किया।

कोटा मंडल ने सवारी गाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने वालों पर कसा शिकंजा

आठ दिनों में 665 यात्री कोटा-अकलेरा-कोटा पेसेंजर में पकड़े गए

कोटा, 20 नवम्बर। मंडल में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाने के लिए वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक के निर्देशन में लगातार सघन टिकट चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। विगत कई दिनों से लोकल सवारी गाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने की लगातार शिकायतें मिल रही थी।

जिसके मद्देनजर एक विशेष टिकट चेकिंग अभियान में दिनांक 12 नवम्बर से 19 नवम्बर (आठ दिनों) तक में झालावाड़ रेल मार्ग पर गाड़ी संख्या 05837/05838 अकलेरा-कोटा-अकलेरा सवारी गाड़ी में कुल 665 यात्री बिना टिकट यात्रा करते पकड़े गए जिनसे रेलवे ने कुल 1 लाख 91 हजार 2 सौ 50 रूपए का जुर्माना वसूला गया। उक्त आठ दिनों में इस सवारी गाड़ी में 14 नवम्बर को सर्वाधिक 122 मामलें बिना टिकट के पकड़े। इस टिकट चेकिंग अभियान के दौरान कई यात्रियों को पुराने अनारक्षित टिकट पर बार-बार यात्रा करने एवं बीते दिनों के पुराने तिथि के आनलाइन जनरल टिकट पर यात्रा के मामलें पकड़े गए। रेलवे ने इस अभियान से नई-नई फर्जी तरकीबों से बिना टिकट यात्रा करने वालें यात्रियों पर जबरदस्त शिकंजा कसा है।

वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक रोहित मालवीय ने बताया कि यह कार्यवाही आगे भी निरन्तर जारी रखने के निर्देश दिए गए हैं ताकि यात्री गाड़ियों में बिना टिकट यात्रा करने वाले यात्रियों पर अंकुश लगाया जा सके।

रेल यात्रियों से अनुरोध है कि वे उचित टिकट लेकर ही यात्रा करें। ताकि यात्रा के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

निशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर में 32 रोगी लाभांवित

लायंस क्लब कोटा ने करवाएं 32 मोतियाबिंद के ऑपरेशन

कोटा, 20 नवम्बर। मोतियाबिंद के रोगियो के लिए लायंस क्लब कोटा के द्वारा नेत्र शल्य चिकित्सा शिविर का आयोजन निरंतर जारी है। लायंस क्लब कोटा द्वारा आयोजित निशुल्क नैत्र शल्य चिकित्सा शिविर झालावाड रोड स्थित लांयस क्लब भवन में सम्पन्न हुआ। अध्यक्ष प्रमोद विजयवर्गीय ने बताया कि शिविर के रजिस्ट्रेशन कार्य 15 अक्टूबर से प्रारंभ किया गया था। जिसमें 132 लोगों का रजिस्ट्रेशन किया। बीपी,शुगर अन्य बिमारी के चलते 30 नेत्र रोगियो को ऑपरेशन कर मंगलवाल को उन्हे काले चश्मे सौपे गए।

शिविर प्रभारी अशोक नुवाल ने बताया कि सभी ऑपरेशन डा विशाल स्नेही ने सभी मरीजो का ऑपरेशन आधुनिक लेजर तकनीक के माध्यम से किया और मरीजो को लेंस प्रत्यारोपित किए। इस अवसर सचिव वीरेन्द्र विजय, क्बल सदस्य अजय गुप्ता,सुनील आनन्द, शिव नुवाल, जीतेन्द्र जैन, जे पी गुप्ता, अजय गुप्ता , सर्वेश्वर काबरा, पवन पारेता सतीश पंजवानी, प्रमोद विजय, वीरेंद्र विजय उपस्थित रहे।

बड़ी तालाब व बड़ा मदार संरक्षण के प्रस्तावों का अनुमोदन

झील विकास प्राधिकरण को भेजे जाएंगे प्रस्ताव, झील विकास समिति की बैठक

उदयपुर, 20 नवम्बर। झील विकास समिति की बैठक मंगलवार को कलक्ट्रेट मिनी सभागार में जिला कलक्टर अरविन्द पोसवाल की अध्यक्षता में हुई।

इसमें बड़ी तालाब व बड़ा मदार तालाब के संरक्षण को लेकर जल संसाधन विभाग की ओर से तैयार प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। साथ ही नए तालाबों के प्रस्ताव तैयार करने के भी निर्देश दिए।

बैठक में नगर निगम आयुक्त व समिति के सदस्य सचिव रामप्रकाश ने झील विकास प्राधिकरण के निर्देशानुसार गत बैठक में लिए गए निर्णय के आधार पर जल संसाधन विभाग की ओर से तैयार किए गए बड़ी तालाब और बड़ा मदार के संरक्षण एवं विकास प्रस्तावों पर चर्चा की।

जिला कलक्टर श्री पोसवाल सहित समिति ने सर्वसम्मति से प्रस्तावों का अनुमोदन किया। जिला कलक्टर श्री पोसवाल ने प्रस्तावों

को अग्रिम कार्यवाही के लिए झील विकास प्राधिकरण को प्रेषित करने के निर्देश दिए।

साथ ही शहर सहित जिले के अन्य जलाशयों के संरक्षण पर चर्चा करते हुए लखावली, छोटा मदार, गोवर्धन सागर, जोगी तालाब, डाया व सोम कागदर तालाबों के संरक्षण एवं विकास के लिए भी प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

बैठक में अन्य महत्वपूर्ण बिंदुओं पर भी चर्चा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। बैठक में एसीईओ जिला परिषद अंजुम ताहिर सम्मा, जल संसाधन विभाग के अधीक्षण अभियंता मनोज जैन, अधिशाषी अभियंता रमेशचंद्र चौरड़िया, उपनिदेशक पर्यटन शिखा सक्सेना, मत्स्य विभाग से उपनिदेशक डॉ अकील अहमद, नगर निगम के अधिशाषी अभियंता (यांत्रिक) लखनलाल बैरवा, डीटीपी सिराजुद्दीन, युडीए एईएन राहुल चंदेरिया, प्रदूषण नियंत्रण मंडल से एसएसओ कुंजबिहारी पालीवाल सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधाओं में विस्तार रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकता

कोटा, 20 नवम्बर। रेल यात्रा के प्रति आमजनों की लगातार बढ़ती रुचि और आकर्षण के मद्देनजर रेलवे भी तदनुरूप सुविधाओं के विस्तार को गति दे रहा है। इस क्रम में रेलवे ने बीते तीन माह में ही विभिन्न ट्रेनों में सामान्य श्रेणी (जीएस) के करीब छह सौ नये अतिरिक्त कोच जोड़े हैं। ये सभी कोच नियमित ट्रेनों में जोड़े गए हैं। इतना ही नहीं, चालू नवंबर माह के अंत तक जीएस श्रेणी के ऐसे एक हजार से ज्यादा कोच करीब 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ दिए जाएंगे। एक अनुमान के मुताबिक रेलवे के बेड़े में इन नये जीएस कोचों के जुड़ने से रोजाना करीब एक लाख यात्री लाभान्वित होंगे। इनके अलावा आगामी दो वर्षों में बड़ी संख्या में नोन एसी श्रेणी के कोचों को रेलवे के बेड़े में शामिल करने की योजना पर तेजी से काम चल रहा है।

रेलवे बोर्ड ने सामान्य श्रेणी के रेल यात्रियों की नई सुविधाओं के बारे में यहां विस्तार से जानकारी दी है। रेलवे बोर्ड के कार्यकारी निदेशक (सूचना व प्रचार) दिलीप कुमार ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्री रेलवे की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल हैं। इस श्रेणी के यात्रियों को अधिकतम सुविधा मुहैया कराने की दिशा में

रेलवे विभिन्न दिशाओं में कार्य कर रहा है। इसके तहत बीते जुलाई से अक्टूबर के तीन माह के दौरान जीएस श्रेणी के कुल 1000 नये तरः कोचों का ट्रेनों में जोड़ा जाएगा। साथ ही इन नवनिर्मित कोचों को 370 नियमित ट्रेनों में जोड़ा गया है। इससे रोजाना हजारों अतिरिक्त यात्रियों को लाभ मिल रहा है। इन डिब्बों के शामिल होने से रोजाना करीब एक लाख अतिरिक्त सवारी रेल यात्रा के सफर का लाभ उठा पाएंगे।

कार्यकारी निदेशक ने बताया कि सामान्य श्रेणी के यात्रियों की सुविधाओं के मद्देनजर नये जीएस कोचों का निर्माण तेजी से चल रहा है। उन्होंने कहा कि अगले दो वर्षों में रेलवे के बेड़े में ऐसे गैर-वातानुकूलित सामान्य श्रेणी के 10 हजार से ज्यादा जीएस कोचों को शामिल कर लिया जाएगा। इनमें छह हजार से ज्यादा जीएस कोच होंगे, जबकि बाकी डिब्बे स्लीपर श्रेणी के होंगे। इतनी बड़ी संख्या में नान एसी कोचों के शामिल होने से सामान्य श्रेणी के करीब आठ लाख अतिरिक्त यात्री रोजाना रेल यात्रा का सफर कर पाएंगे। जीएस श्रेणी के ये नवनिर्मित तमाम कोच एलएचबी के होंगे।

ये सफर को आरामदायक और सुविधाजनक बनाने के साथ-साथ सुरक्षित और द्रुत बनाने में भी मदद करेगी। पारंपरिक आईसीएफ़ रेल डिब्बों के मुकाबले ये नये एलएचबी कोच अपेक्षाकृत हल्के और मजबूत हैं। हादसे की स्थिति में इन कोचों में नुकसान भी कम से कम होगा।

दूध का दूध-पानी का पानी कैम्प में 225 दूध के सैंपल की हुई जांच

उदयपुर, 20 नवंबर। उदयपुर दुग्ध उत्पादक सहकारी संघ लि. सरस डेयरी द्वारा अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत उदयपुर के संयुक्त तत्वावधान मे सीए सर्किल, सेक्टर-14 मे दूध का दूध-पानी का पानी कैंप आयोजित किया गया। उदयपुर डेयरी के प्रबंध संचालक विपिन शर्मा ने बताया कि उपभोक्ता जागरूकता अभियान के तहत उपभोक्ताओं को जागरूक करने की दृष्टि से आयोजित कैंप मे 225 दूध के सैंपल प्राप्त हुये, जिनकी उपभोक्ताओं के समक्ष जांच की गई, जिनमे अधिकांश सेम्पल निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाये गये।

संघ के अध्यक्ष डालचंद डांगी ने बताया कि बाजार मे उपलब्ध मिलावटी दूध एवं दुग्ध उत्पादों से उपभोक्ता बचने व उपभोक्ताओं को निर्धारित मानक का सरस का ताजा, शुद्ध एवं पौष्टिक दूध ही उपयोग मे लेने की सलाह दी गई। साथ ही निर्धारित गुणवत्ता से नीचे का दूध एवं दुग्ध पदार्थ सेवन नही करने हेतु जागरूक किया गया।

दूध का सेम्पल टेस्ट कराने वाले सभी उपभोक्ताओं को दूध की जांच के लिये लैक्टोमीटर निशुल्क दिया गया, ताकि उपभोक्ता घर बैठे दूध की गुणवत्ता की जांच कर सके। इस अवसर पर अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के शिवकुमार शर्मा, करण सिंह कटारिया एवं गणमान्य सदस्य तथा संघ के विपणन अधिकारी भरत श्रीमाली, विपणन स्टाफ एवं गुण नियंत्रण स्टाफ उपस्थित थे।

समाज सेवा के लिए परिवार का सहयोग आवश्यक -राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल

उदयपुर, 20 नवम्बर। अपने जीवन का अमूल्य समय अपने समाज, गांव और राष्ट्र सेवा में लगाना चाहिए। समाज सेवा के लिए परिवार का सहयोग आवश्यक है। परिवार के सहयोग के बिना समाज सेवा अत्यंत कठिन कार्य हैं। ये बात रिवेन्यू उत्तर प्रदेश के राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल ने अहमदाबाद में समाज भवन के उद्घाटन में मुख्य अतिथि उद्बोधन में कहीं। राज्य मंत्री ने कहा कि अपने गांव व जिले में समाज के भवन बनाने का कार्य करें।

जिससे समाज को बहुत बड़ा फायदा होगा। उन्होंने कहा कि वह स्वयं बनारस में स्वयं के खर्चे से समाज भवन बनाकर समाज को देगे। समाज को संबोधित करते हुए कहा की जीवन में चार अच्छे कार्य करके जाएं। जिससे आने वाली पीढ़ी आपको हमेशा याद रखें। समाज में कुरुतियों की चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति अगर सकारात्मक सोच रखेगा और कुरीतियों को त्याग देगा, तो समाज में कुरीतियां अपने आप बंद हो जाएगी। अहमदाबाद में समाज भवन के ट्रस्टी राष्ट्रीय अध्यक्ष मदनलाल जायसवाल, सरक्षक पन्नालाल जायसवाल, सुरेश जायसवाल एवं संजय जायसवाल

एवं समाजबंधुओं के सहयोग से बना समाज भवन की खूब प्रशंसा की। नरेश पूर्बिया ने बताया कि समाज भवन के उद्घाटन के मुख्य अतिथि मुख्य संरक्षक बालेश्वर दयाल जायसवाल, राष्ट्रीय संरक्षक किशोर हेमराज जायसवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल व राज्य मंत्री रविंद्र जायसवाल थे।

कार्यक्रम का संचालन आदित्य वर्धन ने किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष मदन लाल जायसवाल का उदयपुर के समाजबंधुओं ने कैलाश चौधरी के नेतृत्व में सम्मान किया। मुख्य अतिथियों ने विवाह योग्य युवक युवतियों की परिचय पुस्तिका का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम में देश के कोने-कोने से आए समाज बंधु के साथ उदयपुर से कैलाश चौधरी, दयालाल चौधरी, नरेश पूर्बिया, यशवंत मालवीय, रेखा मालवीय, गायत्री चौधरी, चंद्रकला चौधरी, तमन्ना सुहालका, दिनेश सुहालका, महेंद्र चौधरी, माया चौधरी व राजू मेवाड़ा उपस्थित थे।

रेलवे अस्पताल में बिरसा मुंडा जयंती मनाई गई

कोटा, 20 नवम्बर। रेलवे अस्पताल कोटा मे भगवान बिरसा मुंडा की 150 वीं जयंती मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुपर्णा राय सेन के नेतृत्व मे बड़े धूमधाम से मनाई गई । इस अवसर पर अपर मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ सुषमा भटनागर ने कहा की बिरसा मुंडा को धरती आबा (धरती पुत्र) के नाम से जाना जाता है एवं उन्होंने अंग्रेजो के खिलाफ संघर्ष के लिए उल्गुलान का नारा दिया। इस अवसर पर वरिष्ठ मंडल चिकित्सा अधिकारी डॉ बी पांड्या, डॉ कमल सुमन, एससी/एसटी एसोसिएशन मंडल उपाध्यक्ष बृजमोहन मीना ने बिरसा मुंडा जी की जीवनी पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बिरसा मुंडा जी ने जल, जंगल और जमीन को बचाने के लिए तीर कमान की ताकत पर अंग्रेजो को खदेड़ा और महामारी के दौरान जनता को कॉडा पिलाकर आदिवासियों की जान बचाई बिरसा मुंडा जी का मात्र 25 वर्ष की उम्र मे अंग्रेजो ने जेल मे मार दिया, इस महापुरुष का जीवन लंबा नही था लेकिन महान था। भगवान बिरसा मुंडा की जयन्ती के अवसर पर रेलवे अस्पताल के सभी डॉक्टरों एवं स्टाफ ने पुष्पांजली अर्पित कर उनके संघर्षों को याद किया।

जेसीआई एलुमनी क्लब जोन-5 का 'जॉनकौन स्टार उत्सव' कार्यक्रम

कोटा, 20 नवम्बर। हरियाली रिसोर्ट में जेसीआई एलुमनी क्लब जोन का वार्षिक 'जॉनकौन स्टार उत्सव' सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। जोन चेयरमैन मनीष चांडक ने बताया कि इस कार्यक्रम में वर्षभर आयोजित प्रोजेक्ट्स के समन्वयकों को अवार्ड देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सदस्यों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, और 2025 के लिए नए जोन चेयरमैन के रूप में पीयूष खंडेलवाल के चयन की घोषणा की गई।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नेशनल चेयरमैन आर. अंबर्घन थे। इस अवसर पर पूर्व जोन प्रेसिडेंट गौरव माहेश्वरी, योगेश चांडक, जोन प्रेसिडेंट विभोर लोढ़ा, एनवीसी रवि अग्रवाल, प्रोजेक्ट चेयरमैन संजय जैन, और प्रोजेक्ट कॉर्डिनेटर्स राहुल जैन, विकास मोहता, दीपक विजय, नितेश लखोटिया, हिमांशु गुप्ता, अभिमन्यु खंडेलवाल शामिल रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य सहयोगी चंबल रियल एस्टेट के डायरेक्टर किशन अग्रवाल, हनी खंडेलवाल, ओमप्रकाश शर्मा, और आर.एल. विजय उपस्थित थे। अंत में सचिव पीयूष खंडेलवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी प्रतिभागियों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया।

असम विधानसभा की अधीनस्थ समिति 21 को उदयपुर में

उदयपुर, 20 नवंबर। असम विधानसभा की अधीनस्थ समिति गुरुवार 21 नवंबर को वायुयान से उदयपुर पहुंचेंगी। सभापति सहित 11 सदस्यों की यह समिति शुक्रवार 22 नवंबर को उदयपुर व माउंट आबू के स्थानीय भ्रमण पर रहेगी और रात्रि विश्राम उदयपुर में करने के पश्चात समिति 23 नवंबर को सुबह 9:55 बजे वायुयान से दिल्ली के लिए प्रस्थान कर जाएंगी।

कार्यालय अधिशाषी अभियंता (आदर्श नगर जोन), नगर निगम, हैरिटेज जयपुर

(सेक्टर 4, माहेश्वरी पब्लिक स्कूल के पास, जवाहर नगर, जयपुर)

क्रमांक :- एफ-29/आ.न.जोन/ननिज-है./2024-25/354 दिनांक :- 19/11/2024

ई-निविदा सूचना संख्या 43 से 55/2024-25 तक

केन्द्र एवं राज्य सरकार के सभी विभागों में पंजीकृत "AA" "A" श्रेणी के ठेकेदारों एवं नगर निगम जयपुर के पंजीकृत निविदादाताओं से अधिशाषी अभियन्ता आदर्श नगर जोन से सम्बन्धित विकास कार्यो हेतु निविदायें आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, टेण्डर बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, टेण्डर शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम जयपुर हैरिटेज की वेबसाईट www.jaipurmcheritage.org.com व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.raj.nic.in तथा www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जाकर पोर्टल www.eproc.rajasthan.gov.in पर अपलोड की जा सकती है। जिसका यूबीएन नम्बर JJMC2425WSOB00822, 0823, 0824, 0825, 0826, 0827, 0828, 0829, 0830, 0831, 0832, 0833, 0834 है। **नोट : अवकाश घोषित होने पर कार्यालय खुलने की आगामी तारीख मानी जाये।**

अधिशाषी अभियन्ता (आदर्श नगर जोन)
नगर निगम जयपुर हैरिटेज

राज.संवाद/सी/24/7993

कार्यालय नगर विकास न्यास, भरतपुर

क्रमांकः-लेखा/II/2024-25/10798-10811 दिनांकः- 19.11.2024

संशोधित ऑनलाईन निविदा सूचना सं0 19/2024-25

इस कार्यालय के पत्र कमांक लेखा/2024-25/राजकाज सं. 11603421 दिनांक 06.11.2024 एवं न्यास कार्यालय पत्रांक 16694-16712 दिनांक 14.11.2024 के द्वारा संशोधित ऑनलाईन निविदा सूचना संख्या 19/2024-25 जारी की गयी थी। उक्त निविदा में आंषिक संशोधन किया जाता है। ऑनलाइन निविदा अपलोड/प्राप्त करने की तिथि 18.11.2024 सांय 06:00 बजे तक एवं निविदा खोलने की दिनांक 19.11.2024 प्रातः 11:00 बजे निर्धारित थी को ऑनलाइन निविदा अपलोड/प्राप्त करने की तिथि 18.11.2024 सांय 06:00 बजे तक के स्थान पर उक्त निविदा दिनांक 26.11.2024 को सांय 06:00 बजे तक अपलोड की जा सकेगी एवं निविदा खोलने की दिनांक 19.11.2024 प्रातः 11:00 बजे के स्थान पर उक्त निविदा दिनांक 27.11.2024 को प्रातः 11:00 बजे खोली जावेगी।

नोटः- उक्त निविदा में कार्य संख्या 06 पर वर्णित न्यास ऑडिटोरियम में स्टेज लाइटिंग का कार्य को तकनीकी कारणों से निरस्त किया जाता है।

निविदा की शेष शर्ते यथावत रहेंगी।

अधिशाषी अभियन्ता
नगर विकास न्यास, भरतपुर

राज.संवाद/सी/24/8016

आज का दिन

मार्गशीष कृष्ण पक्ष पंचमी, विक्रम सं. 2081, शक संवत् 1946, हिजरी 1446, तद्नुसार अंग्रेजी दिनांक 20 नवंबर, सन् 2024 ईस्वी। वार- बुधवार, सूर्य-दक्षिणायण, ऋतु-शरद

सम्पादकीय

अब महाराष्ट्र पर सबकी नजर, मतदान कल

महाराष्ट्र की सभी 288 विधानसभा सीटों पर चुनाव प्रचार सोमवार शाम को थम गया। झारखंड में दूसरे चरण के तहत 38 विधानसभा सीटों पर मतदान भी 20 नवंबर को ही होने हैं, लेकिन कई वजहों से महाराष्ट्र की चुनावी लड़ाई को इस बार बेहद खास माना जा रहा है। देश के समृद्ध और विकसित राज्यों में गिने जाने वाले महाराष्ट्र में सत्ता की कमान किसके हाथों में आती है, इस पर यूं भी सबकी नजरें टिकी रहती थीं, लेकिन इस बार बात सिर्फ इतनी ही नहीं है। साल 2019 में विधानसभा चुनाव नतीजे आने के बाद जिस तरह की उखाड़-पछाड़ महाराष्ट्र की राजनीति में दिखी, उसने न सिर्फ प्रदेश के प्रमुख राजनीतिक दलों का स्वरूप बदल दिया और प्रमुख राजनीतिक परिवारों की साख पर सवाल खड़ा कर दिया बल्कि राज्य के आम मतदाताओं के सामने भी विकल्पों की झड़ी लगा दी। इसका असर न केवल इन चुनावों में उठ रहे मुद्दों पर बल्कि इसे उठाने के तरीकों पर भी दिख रहा है। चुनावी लड़ाई का स्वरूप इस मायने में भी बदला है कि लगभग हर विधानसभा क्षेत्र में बहुकोणीय मुकाबला हो गया है। दो शिवसेना और दो एनसीपी के साथ ही कांग्रेस और भाजपा के अधिकृत प्रत्याशी तो तय सीटों पर हैं ही, इन दलों के बागी प्रत्याशी भी कई जगहों पर मुकाबले को कठिन बना रहे हैं। कौन किस तरफ से किसके वोटों में कितनी सेंध लगाने वाला है, इसे लेकर हर खेमे में अनिश्चय और उलझन की स्थिति बनी हुई है। इस बार कोई भी ऐसा एक मुद्दा नहीं है, जिसके बारे में यह माना जा सके कि यह पूरे राज्य में सभी विधानसभा सीटों पर प्रभावी है। इस वजह से नारों को लेकर भी संदेह और असमंजस की स्थिति दिख रही है। भाजपा की तरफ से 'बटेंगे तो कटेंगे' और 'एक हैं तो सेफ हैं' नारों को सबसे ज्यादा प्रमुखता दी गई, लेकिन खुद एनडीए खेमे में भी इस पर सर्वसम्मति नहीं बन सकी। अजित पवार ही नहीं, भाजपा के भी कई नेताओं ने इस नारे को अस्वीकार करने की बात कह दी। महाविकास आघाड़ी को इतना क्रेडिट जरूर दिया जा सकता है कि उसकी तरफ से महाराष्ट्र की अस्मिता को मूल मुद्दा बनाने की कोशिश में काफी हद तक एकरूपता दिखी है, लेकिन उसे इसमें कितनी सफलता मिली है, यह चुनाव नतीजों से ही पता चलेगा। सबसे बड़ी बात यह कि नतीजों से भी इस चुनावी रस्साकशी का अंत हो जाएगा, ऐसा निश्चयपूर्वक नहीं कहा जा सकता। कई जानकारों के मुताबिक नतीजे आने के ठीक बाद राजनीतिक गोलबंदी का एक और दौर देखने को मिल सकता है।

विदेशी अखबारों से

अमेरिका ने रूस पर अटैक के लिए यूक्रेन को दी मिसाइल इस्तेमाल की अनुमति

खबरों के अनुसार अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने 19 जनवरी 2025 को पूरा होने वाले कार्यकाल से पहले ही यूक्रेन को रूस पर अटैक के लिए मिसाइल के इस्तेमाल की अनुमति दे दी है। अमेरिका के इस फैसले से रूस भड़क उठा है। रूस ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर उसके क्षेत्र के अंदर पश्चिमी हथियार दागे गए तो यूक्रेन को नहीं बल्कि इसकी अनुमति देने वाले देशों को निशाना बनाया जाएगा। रूसी राष्ट्रपति भवन क्रेमलिन की तरफ से कहा गया है। क्रेमलिन ने कहा कि अगर पश्चिमी हथियार रूस के अंदर तक दागे गए तो यूक्रेन नहीं बल्कि उन देशों को निशाना बनाया जाएगा। जिन्होंने इसकी इजाजत दी है। रूस ने कहा कि अमेरिका का निवर्तमान प्रशासन आग में घी डालना चाहता है और यूक्रेन में संघर्ष को बढ़ाना चाहता है। बाइडेन प्रशासन ने यूक्रेन को बताया है कि वो रूस के अंदर सीमित हमलों के लिए अमेरिका के आर्मी टेक्टिकल मिसाइल सिस्टम का इस्तेमाल कर सकता है। आर्मी टेक्टिकल सिस्टम (एटीएसीएमएस) एक सुपरसॉनिक बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम है और इसका निर्माण अमेरिकी डिफेंस कंपनी करती है। अमेरिकी ने पहले ऐसे हमलों की अनुमति देने से मना कर दिया था। उसे डर था कि इससे रूस यूक्रेन युद्ध ज्यादा बड़ा हो जाएगा। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने ये प्रमुख नीतिगत बदलाव डोनाल्ड ट्रंप को सत्ता सौंपने से दो महीने पहले किया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब मौजूदा राष्ट्रपति बाइडन का कार्यकाल खत्म होने वाला है और राष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित डोनाल्ड ट्रंप पहले ही यूक्रेन को दिये जाने वाले अमेरिकी समर्थन को सीमित करने तथा युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने की बात कह चुके हैं। सूत्र के अनुसार, यूक्रेन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के हमले के फैसले के समर्थन में उत्तर कोरिया ने हजारों सैनिकों को रूस भेजने का फैसला किया है, जिसके जवाब में संभवत: इन मिसाइलों का इस्तेमाल का निर्णय लिया गया है।

प्रेरक प्रसंग

काम को बोझ मत मानो

पुराने समय में एक संत अपने शिष्यों के साथ धर्म प्रचार करने के लिए यात्रा कर रहे थे। इस दौरान में अलग-अलग जगहों पर रुकते और लोगों को उपदेश देते थे। एक दिन वे ऐसी जगह पहुंचे, जहां कुछ निर्माण कार्य चल रहा था। संत उस जगह पर पहुंचे तो वहां कई मजदूर पत्थरों को तराश रहे थे। एक मजदूर से संत ने पूछा कि यहां क्या बन रहा है? वह मजदूर गुस्से में था। उसने जोर से कहा कि मुझे नहीं मालूम, आगे जाओ बाबा। संत वहां से आगे बढ़ गए। वे दूसरे मजदूर के पास पहुंचे। उससे भी संत ने पूछा कि यहां क्या बनेगा? दूसरे मजदूर ने कहा कि गुरुजी मुझे इस बात से क्या मतलब, यहां कुछ भी बने। मैं यहां सिर्फ मजदूरी के लिए काम कर रहा हूं। दिनभर काम करने के बाद शाम को पैसे मिल जाते हैं। संत वहां से आगे चल दिए। अब वे एक और मजदूर के पास पहुंचे। तीसरे मजदूर से भी संत ने यही पूछा कि इस जगह पर क्या बन रहा है? तीसरे मजदूर ने संत को प्रणाम किया और बोला कि गुरुजी यहां मंदिर बन रहा है। गांव में मंदिर नहीं था। अब पूजा करने के लिए दूसरे गांव नहीं जाना पड़ेगा। संत ने उससे फिर पूछा कि क्या तुम्हें इस काम में खुश मिलती है? मजदूर बोला कि मंदिर बनने से मैं बहुत खुश हूं। मुझे इस काम में बहुत आनंद मिलता है। छेनी-हथौड़ी की आवाज में मुझे संगीत सुनाई देता है। ये बात सुनकर संत ने अपने शिष्यों से कहा कि जो यही सुखी जीवन का सूत्र है। जो लोग अपने काम को बोझ मानते हैं, वे हमेशा दुखी रहते हैं और जो लोग अपने काम को प्रसन्न होकर करते हैं, वे हमेशा सुखी रहते हैं। अगर हम अपना नजरिया बदल लेंगे तो जीवन में सुख-शांति के साथ ही सफलता भी मिल सकती है।

बुलडोजर एक्शन पर कोर्ट का आदेश मनमानी पर अंकुश

योगेंद्र योगी

उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदाहरण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है।

सरकारें की गलतफहमी है कि एक बार चुनाव जीतने के बाद उन्हें मनमानी का अधिकार मिल जाता है। इसी भ्रम में सरकारें अपने को अदालत से ऊपर समझने लगती हैं। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोर एक्शन के मामले में फैसला देकर सरकारों का यह सपना तोड़ दिया है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला दिल्ली की आप सरकार के मामले में दिया है, किन्तु यह लागू सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों पर होता है। सुप्रीम कोर्ट ने 13 नवंबर को बुलडोजर एक्शन के खिलाफ दायर याचिका पर फैसला सुनाते हुए तीखी टिप्पणी की। साथ ही बुलडोजर की कार्रवाई को लेकर गाइडलाइन तय कर दी। फैसला सुनाते हुए कोर्ट ने दो टूक कहा कि किसी भी मामले में आरोपी होने या दोषी ठहराए जाने पर भी घर तोडना सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने जमीयत उलेमा-ए-हिन्द बनाम उत्तरी दिल्ली नगर निगम व अन्य से संबंधित केस में दो टूक कहा है कि इस मामले में मनमाना रवैया बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अधिकारी मनमाने तरीके से काम नहीं कर सकते। बगैर सुनवाई आरोपी को दोषी नहीं करार नहीं दिया जा सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने फैसला सुनाते हुए कहा अपना घर पाने की चाहत हर दिल में होती है। यद्यपि यह फैसला दिल्ली सरकर से संबंधित है पर इसमें कोई दो राय नहीं है कि इस फैसले के बाद अब योगी सरकार के लिए बुलडोजर एक्शन लेना भी मुश्किल हो जाएगा। कार्यपालिका के पास असीम शक्तियां होती हैं। इसी बल पर हर साल सुप्रीम कोर्ट के आदेशों को कार्यपालिका विभिन्न कारणों को आधार बनाकर सैकड़ों आदेशों का अनुपालन नहीं करती है। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार से शुरु हुआ बुलडोजर एक्शन का यह सिलसिला पूरे देश में फैल गया था। राज्यों की सरकारों ने इसका राजनीतिक इस्तेमाल करने में कसर बाकी नहीं रखी। वोट बैंक राजनीति ऐसे फैसलों में साफ नजर आती है। हालांकि उत्तर प्रदेश में बुलडोजर एक्शन अपराधियों के आवास और व्यवसायिक प्रतिष्ठान गिराने के लिए लिया गया था। बुलडोजर एक्शन में भी अपराधियों में भेदभाव के उदाहरण मौजूद हैं। इसका दुरुपयोग भी सांप्रदायिक आधार पर किया गया। इसमें कोई संदेह नहीं कि ऐसी सख्त कार्रवाई से अपराधियों में कहीं न कहीं खौफ उत्पन्न होता है। उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने जिस तरह माफिया या गैंगस्टर का सफाया किया, उससे काफी हद तक अपराधों पर लगाम लग सकी है। इस कार्रवाई से शायद ही कोई इत्तफाक रखता हो। सवाल यही आता है कि अपराध रोकने की आड़ में सरकार क्या कानून से ऊपर है। बुलडोजर एक्शन में यही बात नजर आती है। दरअसल यह काम देश की अदालतों का है कि सुनवाई के बाद आरोपी को सजा देने या नहीं देने का। बुलडोजर एक्शन में ऐसे न्याय की संभावना पहले ही खत्म हो जाती है, जहां बगैर किसी सुनवाई के फैसला सुना दिया जाता है। इससे यदि आरोपी गलत ना भी हो तो उसे घर या दुकान तुड़वाने की सजा भुगतनी पड़ती है। जबकि सजा तय करने की जिम्मेदारी अदालतों की है। सरकारों की यह हरकत निश्चित तौर पर अदालतों के मामले में दखलंदाजी रही है। बुलडोजर एक्शन की कार्रवाई सरकारों को बेशक सस्ती लोकप्रियता दिला सकती है, न्याय नहीं। महाराजगंज जिले में सड़क के फोर लेन की चौड़ीकरण के संबंध में एक व्यक्ति के मकान गिराने के लेकर कोर्ट ने काफी तीखी टिप्पणी दी और उत्तर प्रदेश सरकार पर 25 लाख का

जुर्माना भी लगाया। हालांकि यह विकास कार्यों के लिए की गई कार्रवाई थी। इसमें सरकार की वह मंशा नहीं थी कि किसी अपराधी का घर गैरकानूनी अवैध कब्जा की बात कहकर गिराई गई हो। फिर भी कोर्ट ने पीड़ित की बात सुनी। इस तरह के अतिक्रमण हटाने के भी कायदे-कानून बने हुए हैं। उनका पालना किए गए बगैर सीधे बुलडोजर दौड़ा देना, अन्याय ही कहा जाएगा। ऐसे मामलों की भी कमी नहीं हैं, जहां आम आदमी की सम्पत्ति को अतिक्रमण के नाम पर ढहा दिया जाता है, वहीं रसूखदारों की तरफ प्रशासन की आंख उठाने की भी हिम्मत नहीं होती।

देश का शायद ही ऐसा कोई शहर होगा जहां, प्रभावशाली लोगों के अतिक्रमण तोडने में सरकार और प्रशासन ने उदाहरण पेश किए होंगे। सरकार और प्रशासन प्रभावशाली लोगों के सामने कैसे नतमस्तक हो जाते हैं, इसका सबसे बड़ा उदाहरण नोएडा के ट्विन टावर का मामला है। सुप्रीम कोर्ट ने अगस्त 2021 में सुपरटेक के नोएडा एक्सप्रेसवे पर स्थित एमराल्ड कोर्ट प्रोजेक्ट के अपैक्स और सियान टॉवरों को अवैध ठहराया था। दोनों 40 मंजिला टावरों को ढहाने का आदेश दिया गया। कोर्ट ने कंपनी को फ्लैट खरीदारों को ब्याज के साथ पैसे वापस करने का आदेश दिया। जबकि इस मामले में सरकार और नोएडा ऑथरिटी सब कुछ जानते हुए भी हाथ पर हाथ धरे हुए बैठे रहे। नोएडा अथॉरिटी को भी इस ध्वस्तीकरण पर निगरानी करने और रिपोर्ट अदालत को देने का आदेश दिया गया है। इस आदेश के कुछ महीनों बाद बाद ट्विन टावर को ढहा दिया गया।

बुलडजोर एक्शन लेने वाली सरकार और प्रशासन को यह पहले से ही पता था कि ये टावर नियमों के विपरीत बनाए गए हैं। इसके बावजूद शासन-प्रशासन में बैठे जिम्मेदार आंखें मूंदे बैठे रहे। यहां बुलडोजर चलाने की किसी की हिम्मत नहीं हुई। इसकी उपेक्षा ऐसे ही नहीं की गई। इसमें भारी भ्रष्टाचार की गंध चारों तरफ से आ रही थी, किन्तु अदालत के फैसले से पहले किसी ने इसकी परवाह नहीं की, वहीं कमजोर के मामले में बुलडोजर एक्शन लेने में फुर्ती दिखाई जाती है। देश में भूमाफिया और बिल्डर की शासन-प्रशासन से मिलीभगत के किस्से आम हैं।

देश के महानगर से लेकर छोटे शहरों में अतिक्रमणों की बाढ़ आई हुई है। ये अतिक्रमण एक दिन में नहीं हुए। अतिक्रमियों ने सार्वजनिक सुविधा के क्षेत्र तक नहीं छोड़े। देश में शायद ही ऐसी कोई सड़क या फुटपाथ होगा, जहां अतिक्रमण ने पांव नहीं पसारे। वन क्षेत्र हो या गोचर भूमि, यहां तक की तालाब, नदियों और झीलों के बहाव क्षेत्र भी अतिक्रमियों की भेट चढ़ गए, किन्तु शासन-प्रशासन की तंद्रा भंग नहीं हुई। ये तभी जागते हैं जब अदालतों का डंडा चलता है। इन अतिक्रमियों के निर्माण पर बुलडोजर चलाने से सब कतराते हैं। इसका उदाहरण जयपुर का रामगढ़ बांध है। कभी बरसाती जल से सरोबार रहने वाला यह प्रसिद्ध बांध अतिक्रमियों का शिकार हो गया। कभी जयपुर की लाइफ लाइन माने जाने वाला यह बांध कई दशकों से सूखा पड़ा है। देश में ऐसे सैकड़ों उदाहरण मौजूद हैं जहां अतिक्रमियों ने प्राकृतिक स्त्रोतों को ही निगल लिया। यहां तक खनन करके की पहाड़ के पहाड़ गायब कर दिए। अरावली की पहाड़ी श्रृंखला इसका भ्रष्टाचार और लापरवाही का सबसे बड़ा उदाहरण है। अतिक्रमण के मामले में वोट की राजनीति की बदौलत ही छोटे-बड़े शहरों में अवैध कच्ची-पक्की बस्तियां तक बस गई। ये अतिक्रमण सालों-साल चलते रहे हैं, किन्तु नेता-अफसरों के गठजोड़ के कारण इन्हें जड़ से खत्म नहीं किया जा सका। दरअसल बुलडोजर चलना तो ऐसे अतिक्रमणों पर चाहिए, जिसने देश के आम लोगों को पैदल चलना तक दुभर कर रखा है। इनके बजाए सिर्फ चुनिंदा अतिक्रमियों को अपराधी बता कर बुलडोजर चलवाना सरकारों की बदनियति को ही उजागर करता है। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से सरकारों को सबक लेना चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने फैसले में यह कहीं नहीं कहा कि अतिक्रमण के खिलाफ कार्रवाई नहीं हो, बल्कि वैधानिक प्रक्रिया अपनाने पर जोर दिया है।

धीमी न्यायिक प्रक्रिया के विकल्प पर सोचना होगा

उमेश चतुर्वेदी

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है।

उलेमा बनाम उत्तरी दिल्ली मामले पर सुनवाई के दौरान जिस तरह सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणियां की थीं, इस मामले पर आए फैसले का अंदेशा उनसे हो गया था। सबसे बड़ी अदालत ने बुलडोजर कार्रवाई पर पूरी रोक तो नहीं लगाई है, लेकिन इसके लिए मानक प्रक्रिया बनाकर राज्य सरकारों और स्थानीय निकायों के हाथ जरूर बांध दिए हैं। जैसा कि हर फैसले के साथ होता है, हर पक्ष अपने-अपने हिसाब से इसकी व्याख्या कर रहा है। बुलडोजर कार्रवाई के विरोधी इसे अपनी जीत बता रहे हैं, वहीं इसके समर्थक इस फैसले में भी कार्रवाई के लिए राह खोज रहे हैं। इससे साफ है कि बुलडोजर न्याय सिर्फ स्पीड ब्रेकर का काम करेगा, ब्रेक नहीं बन पाएगा। स्पीड ब्रेकर तेज रफ्तार वाहनों की रफ्तार को धीमी करता है, जबकि ब्रेक गाड़ी को रोक देता है। यह फैसला भी कुछ इसी तरह का साबित होने जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई को नियंत्रित करते वक्त एक तथ्य पर ध्यान नहीं दिया है। हमारे यहां आपराधिक मामलों की सुनवाई की जो प्रक्रिया है और उसमें जिस तरह की देर लगती है, उसे अपराध करने वालों ने अपने लिए आड़ बना रखा है। बरसों तक धीमी गति से चलने वाली न्यायिक प्रक्रिया का एक संदेश यह है कि ताकतवर चाहे तो अपराध करने के बावजूद प्रक्रिया की घुमावदार गलियों में न्यायिक फैसले को टाल सकता है। यह टालना इतना लंबा हो जाता है कि एक तरह से वह न्याय से इनकार हो जाता है। देर है पर अंधेर नहीं की सोच भी उबाऊ और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के सामने धुंधली होते-होते समाप्त हो जाती है। इसी घुमावदार और लंबी-धीमी न्यायिक प्रक्रिया का विकल्प बनकर बुलडोजर न्याय उभरा था। राज्य सरकारों ने इसे त्वरित न्याय के साधन के तौर पर अपनाया और देखत ही देखते अपराधमुक्त समाज की चाहत रखने वालों की चहेती बन बैठीं।

सुप्रीम कोर्ट ने बुलडोजर कार्रवाई की मानक प्रक्रिया बनाते हुए त्वरित न्याय के विकल्प या न्यायिक प्रक्रिया की घुमावदार गलियों को पूरी तरह नजरंदाज किया है। यही वजह है कि इस फैसले के बाद अपराधियों, गैंगस्टरों, असामाजिक तत्वों के उभार को लेकर समाज का एक बड़ा वर्ग सशंकित हो उठा है। देश की सबसे बड़ी अदालत होने के चलते सुप्रीम कोर्ट को इस सामाजिक सोच का भी संज्ञान लेना चाहिए और उसे भी आश्वस्त करना चाहिए कि उसके फैसले के बावजूद किसी गैंगस्टर, कोई अपराधी या समाज विरोधी तत्व को कमजोर तबके की जमीनों या सार्वजनिक संपत्तियों के अतिक्रमण का हक नहीं मिल जाता। सुप्रीम कोर्ट ने यह फैसला उत्तरी दिल्ली के एक मामले में दिया है। अप्रैल 2022 में दिल्ली के जहांगीर पुरी में रामनवमी के दिन निकले जुलूस पर एक मस्जिद और उस इलाके से जुलूस पर हुए पथराव और उससे उपजी हिंसा के जवाब में दिल्ली नगर निगम ने अवैध अतिक्रमणों को हटाने के लिए बुलडोजर कार्रवाई की थी। इस कार्रवाई को सांप्रदायिक कार्रवाई का रंग देते हुए सेकुलर धारा के दिग्गज वकीलों मसलन कपिल सिब्बल आदि ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी। भले ही सुनवाई इसी मामले की होती रही, लेकिन संदेश ऐसा गया मानो उत्तर प्रदेश की सरकार की बुलडोजर कार्रवाई के खिलाफ सुनवाई हो रही है। इसकी वजह यह रही कि उत्तर प्रदेश की सरकार ने त्वरित न्याय के विकल्प के रूप में इसे अपनाया। तब उत्तर प्रदेश सरकार को लेकर यह छवि बनाई गई कि वह सिर्फ अल्पसंख्यक यानी मुस्लिम तबकों के खिलाफ ही बुलडोजर कार्रवाई करती है। जबकि योगी सरकार ने बिरादरी से ब्राह्मण लेकिन कर्म से माफिया और गैंगस्टर विकास दुबे के खिलाफ भी इस कार्रवाई को किया। भदोही के बिरादरी से पंडित गैंगस्टर और राजनेता विजय मिश्रा की अतिक्रमित संपत्तियां भी उत्तर प्रदेश सरकार के निशाने पर रहीं। लेकिन प्रचारित सिर्फ अतीक, मुख्तार जैसे मुस्लिम दबंगों और माफियाओं की संपत्तियों के खिलाफ हुई कार्रवाई ही की जाती रहीं। इस बहाने त्वरित न्याय के इस सरकारी विकल्प को हिंदुत्ववादी राजनीतिक दर्शन का ना सिर्फ नतीजा बताया गया, बल्कि यह नैरेटिव स्थापित कर दिया गया। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट के फैसले को लेकर आम लोगों के बीच संदेश यही गया है कि यह उत्तर प्रदेश सरकार के खिलाफ आया फैसला है। बुलडोजर कार्रवाई को लेकर प्रचारित सिर्फ योगी सरकार रही, लेकिन अवैध अतिक्रमण के खिलाफ आंध्र, तेलंगाना, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश आदि सरकारों ने भी की है। एक आंकड़े के मुताबिक, पिछले सात सालों में करीब 2000 अवैध अतिक्रमण बुलडोजर कार्रवाई में ढहाए गए। जिनमें सबसे ज्यादा करीब डेढ़ हजार मामले उत्तर प्रदेश के ही रहे। लेकिन उत्तर प्रदेश में इस कार्रवाई से खाली कराई गई जमीनों को कमजोर तबकों में बांटा भी गया है। करीब सात सौ ऐसे प्लॉट बांटे जा चुके हैं। इसकी चर्चा कम हो रही है। निश्चित तौर पर इससे किसी को इनकार नहीं होगा कि किसी अपराधी के अपराध की कीमत उसका पूरा परिवार अपना घर गवांकर क्यों चुकाए। लेकिन यह नहीं भूलना चाहिए कि अपराधी का घर भी अगर सरकारी तंत्र के निशाने पर बना तो उसकी वजह उसका नियमित निर्माण नहीं, बल्कि अवैध कब्जा और अतिक्रमण रहा।

अब तक बुलडोजर कार्रवाई नगर पालिकाओं, पंचायती राज संस्थाओं का विषय रहा है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद इसे में स्थानीय जिला अधिकारी और उप जिलाधिकारी भी शामिल हो गए हैं। अवैध कब्जे और अतिक्रमण के खिलाफ बुलडोजर कार्रवाई जिला अधिकारी की निगरानी में होगी और इसके लिए मान्य प्रक्रिया और नोटिस आदि देने की अवधि का पूरी तरह निर्वहण किया जाएगा। इस प्रक्रिया की राह में एक बाधा नजर आ रही है। जिला प्रशासन समय और काम के बोझ का बहाना बनाकर ऐसी कार्रवाइयों को टाल सकता है। अपराधी, माफिया और गैंगस्टर कब्जे करते रहेंगे, और धीमी न्यायिक प्रक्रिया के चलते वे अपने अपराध को प्रकारांतर से स्थापित करते रहेंगे। इससे त्वरित न्याय प्रक्रिया की वैकल्पिक सोच भी कुंद होगी। ऐसे में न्याय की उम्मीद भी धुंधली होगी। ऐसे में आपराधिक तत्वों पर लगाम लगा पाना आसान नहीं रह जाएगा। बुलडोजर कार्रवाई के माननीकरण वाले फैसले के बाद खास नैरेटिव को बढ़ावा मिलेगा। यह धारणा बलवती होगी कि सिर्फ हिंदुत्ववादी सरकारें ही बुलडोजर न्याय पर भरोसा करती हैं।

हास्य-व्यंग्य

शोभा के स्टैंडर्ड...

आलोक पुराणिक

बड़े दिनों बाद पुरानी स्टाइल का एक निमंत्रण-पत्र मिला, जिसमें लिखा था कि आप आइये हमारे आयोजन में शोभा बढ़ाने के लिए। शोभा बढ़ाने के लिए बुलानेवाले निमंत्रण-पत्र अब कम हो गये हैं। पहले लगभग हर निमंत्रण-पत्र में यही दर्ज होता था कि प्लीज आइये हमारे आयोजन की शोभा बढ़ जायेगी।

अब शोभा बढ़ाने की बात नहीं होती, बस यह सा दर्ज होता है-आ जाइये। जैसे निमंत्रण-पत्र कह रहा हो कि आ जाइये, शोभा-वोभा की कोई बात नहीं है।

शोभाओं ने अर्थ खो दिया है दरअसल।

बरसों पहले रहा होगा कुछ इस तरह का विचार कि किसी नामी-गिरामी बंदे को बुलाओ, तो अपने आयोजन की शोभा बढ़ जायेगी। चार लोग कहेंगे देखो कि बुलानेवाला सच में दमदार, रसूखदार आदमी है, कितने शोभाशाली बंदे को बुलाया है। पर बाद के बरसों में तो यह हुआ कि जितना अशोभनीय आचरणवाला बंदा हुआ, वह समाज में उत्ता बड़ा शोभाशाली बंदा मान लिया गया।

कई बेईमान नेताओं को कई आयोजनों में शोभा बढ़ाने सिर्फ इसलिए बुला लिया जाता है कि ये ब्लैक कैट कमांडो के साथ आएंगे, तो कार्यक्रम की शोभा बढ़ जायेगी। कई काला बाजारियों को बतौर मुख्य-अतिथि इसलिए शोभा बढ़ाने के लिए बुलाया जाता है कि वह किसी धार्मिक आयोजनों में लाखों का चंदा दे देते हैं। संत महाराज मंच से प्रवचन दे रहे हैं कि अनुचित आचरण नहीं करना चाहिए। नीचे प्रवचन के स्पांसर काला बाजारी मन ही मन कह रहे हैं-महाराज ये महान बातें बताने के लिए आप इतनी रकम वसूलते हो कि उचित आचरणवाला बंदा तो अफोर्ड ही ना कर सकता। उसकी अफोर्डनीयता प्याज-दाल पर खत्म हो जाती है। मैं ही अफोर्ड कर सकू हूं आपको, सो कार्यक्रम की शोभा उर्फ मुख्य-अतिथि बना बैठा हूं यहां। अशोभनीय आचरण वाला बंदा शोभा हो गया है।

शोभनीय आचरणवाले से उसकी बीबी ही नाराज रहती है-तुमसे कुछ ना हो पायेगा। पास इनकम टैक्स बाबू को देखो, हर साल दुबई शापिंग ले जाता है, अपनी बीबी को। तुम लोकल प्याज-दाल की शापिंग में हाथ खड़े कर देते हो। शोभाओं के मामले बहुत बदल गये हैं। जिसकी शोभा कल थोड़ी-बहुत थी, उसकी शोभा अब बिलकुल खत्म हो गयी है। मेरे पास एक पुराना फोन था पांच साल पुराना, बढ़िया काम कर रहा था। एक आफिस में दोस्त से मिलने गया, तो मैंने वह फोन टेबल रख दिया।

मित्र असहज होकर बोला-प्लीज इस फोन को जेब में रख लो। सबका यही इंप्रेशन बनेगा कि कितना चिरकुट है इसका दोस्त, पांच साल पुराने इस फोन पर ही अटका हुआ है। फिर मुझे समझ आया कि अगर लेटेस्ट चाल का एक लाखवाला फोन टेबल पर रखकर बैठता, तो मेरा मित्र मुझे शोभा मान लेता। अभी तो मेरा फोन अशोभनीय हो गया है।

राजस्थान मंडप में लाख से बनी चूड़ियों एवं अन्य वस्तुओं ने दर्शकों को अपनी ओर किया आकर्षित

नई दिल्ली, एजेंसी। नई दिल्ली के प्रगति मैदान में चल रहे अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेला के राजस्थान पवेलियन में लाख की चूडियों एवं लाख से बनी अन्य वस्तुएं दर्शकों विशेषकर महिलाओं को अपनी और खूब आकर्षित कर रही है।

राजस्थान मंडप के स्टॉल न. 3 व 6 में जयपुर से आए लाख के कारीगर इस्लाम अहमद ने बताया कि भारतीय संस्कृति में लाख को बहुत ही शुभ माना जाता है, विशेषतौर पर भारतीय नारियों में इसे सुहाग का प्रतीक माना जाता है। लाख से बनी चूडीयां पहनकर स्त्रियां अपने पति की लम्बी आयु की कामना करती हैं।

वे बताते हैं कि लाख हमारे जीवन में महत्वपूर्ण स्थान रखती है। शादी या विवाह का अवसर हो या मकान की नींव भरने का समय, बच्चे के जन्म का मौका हो या सगाई इत्यादि के अवसर पर लाख की चूडीयां, दुल्हन को सुहाग के प्रतीक के रूप में पहनना अनिवार्य समझा जाता है।

शादी तथा तीज त्यौहारों, होली, दिवाली व अनेक खुशी के अवसरों पर लाख की चुड़ियों का तथा लाख की अन्य वस्तुओं का आदान-प्रदान किया जाता है। लाख को सोने के जेवरों में भी भरा जाता है।

अहमद ने बताया कि मेरे वालिद के पिता ने ही भारत सरकार द्वारा स्थापित निर्यात केन्द्रों एवं रिटेल शाप्स पर सर्वप्रथम लाख का सामान बनाकर दिया था।

उन केन्द्रों के माध्यम से पूरे भारत वर्ष के सरकारी रिटेल कांउटरों तथा विदेशों में लाख से निर्मित वस्तुएं भेजी गई। उन्होंने बताया कि विश्व के कई राष्ट्राध्यक्षों को उनके जयपुर आगमन पर इनके परिवार की ओर से लाख निर्मित वस्तुएं भेंट की गई। उन्होंने बताया कि उनके वालिद लाख से पैन और फैन्सी आइटम बनाने का कार्य करते रहे।

हाथ में पहनने वाले लाख के मोटे कड़े पर ''डासिंग पीकाक' तथा ''मछली' का काम एक नायाब कारीगरी है जो कि उन्होंने स्वयं तैयार की है। उन्होंने बताया कि आज लाख कला सामाजिक जीवन का महत्वपूर्ण अंग है।

फिर चाहे लाख की चूडीयां हों या सजावटी या दैनिक उपयोग की वस्तु सभी में यह प्रयोग किया जाता है। इनमें अगरबत्ती स्टेण्ड,हाथी घोड़ा, ऊंट, एस्टरे, चाबी के छल्ले, फोटो फ्रेम, शीशा, ज्वैलरी बाक्स फ्रूट प्ले, टेबल डायरी, ग्लास इत्यादि चीजें ही क्यों न हो, लाख कला जगत को ये सब वस्तुएं उन्हीं के परिवार की देन हैं।

ईपीसीएच ने ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपो मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया 2024 में भारत के हस्तनिर्मित शिल्प को बढ़ावा दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न कन्वेंशनल ऐंड एग्जिबिशन सेंटर में 19 से 21 नवंबर 2024 तक ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपो मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया 2024 आयोजित किया जा रहा है। यह आयोजन भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय व्यापार को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है और यहां भारत के विशाल हस्तशिल्प संग्रह, परिधान, और सस्टेनेबल लाइफस्टाइल उत्पादों का प्रदर्शन किया जा रहा है। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर. के. वर्मा ने बताया कि इस एक्सपो में ईपीसीएच के इंडिया पवेलियन का उद्घाटन ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. सुशील कुमार ने सदस्य प्रदर्शकों के साथ किया।

ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न स्थित भारत के महावाणिज्य दूत डॉ. सुशील कुमार ने उद्घाटन के दौरान भारतीय हस्तशिल्प को वैश्विक बाजारों तक पहुंचाने और देश से हस्तशिल्पों के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए परिषद (ईपीसीएच) के निरंतर प्रयासों और योगदान की सराहना की। सीजीआई ने सदस्य प्रतिभागियों से भी बातचीत की और भविष्य में व्यापार प्रचार के लिए सभी तरह के सहयोग का आश्वासन दिया।

ईपीसीएच के अध्यक्ष दिलीप बैद ने कहा कि ग्लोबल सोर्सिंग एक्सपो मेलबर्न, ऑस्ट्रेलिया का प्रमुख व्यापारिक आयोजन है, जो अंतरराष्ट्रीय निर्माताओं, थोक विक्रेताओं और डिजाइनरों को ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और अन्य देशों के प्रमुख रिटेल चेन, फैशन लेबल्स और संस्थागत खरीदारों को एक साथ मंच पर लाता है। एक्सपो का फोकस सस्टेनेबल फैशन, होम डेकोर और उपभोक्ता वस्तुओं पर है, जो उच्च गुणवत्ता वाले और उचित तरीके से सोर्स किए गए उत्पादों के निर्माण की भारत की क्षमता से पूरी तरह मेल खाता है। उन्होंने यह भी कहा कि इस साल के एक्सपो में भारत की भागीदारी से हाल ही में हस्ताक्षर किए गए भारत-ऑस्ट्रेलिया आर्थिक सहयोग और व्यापार समझौते (ईसीटीए) को भी मजबूती मिलेगी। इस ऐतिहासिक समझौते से दोनों देशों के बीच व्यापार को काफी बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे दोनों देशों के निर्यातकों के लिए नए अवसर उत्पन्न होंगे। ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक आर. के. वर्मा ने कहा कि ईपीसीएच ने एक वाइब्रेंट इंडिया पवेलियन स्थापित किया है, जिसमें मुरादाबाद, जयपुर, नोएडा, दिल्ली, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और कर्नाटक समेत प्रमुख शिल्प समूहों के 16 सदस्य निर्यातक शामिल हैं। इंडिया पवेलियन में परिधानों, चमड़े के सामानों, सूती एवं जूट के बैगों, होम डेकोर, किचनवेयर और अन्य उत्पादों की एक संयोजित रेंज प्रदर्शित की जा रही है। ईपीसीएच, देश से विभिन्न वैश्विक गंतव्यों तक हस्तशिल्प निर्यात को बढ़ावा देने और भारत की छवि को उच्च गुणवत्ता वाले हस्तशिल्प उत्पादों और सेवाओं के विश्वसनीय आपूर्तिकर्ता के रूप में प्रस्तुत करने वाली नोडल एजेंसी है।

डीजीएफटी ने अमृतसर एयरपोर्ट से ज्वेलरी निर्यात को किया अधिसूचित- जीजेईपीसी

मुंबई, एजेंसी। वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने हैंडबुक ऑफ प्रोसीजर्स 2023 में एक महत्वपूर्ण संशोधन की घोषणा करते हुए भारत के राजपत्र में एक अपडेट जारी किया है। इस संशोधन के तहत 13 नवंबर 2024 को जारी डायरेक्टरेट जनरल ऑफ फॉरेन ट्रेड (डीजीएफटी) के सार्वजनिक नोटिस में अमृतसर एयरपोर्ट को सोने, चांदी और प्लैटिनम ज्वेलरी के अधिकृत निर्यात बिंदु के रूप में जोड़ा गया है। अमृतसर एयरपोर्ट को शामिल करने का यह कदम जीजेईपीसी के लगातार प्रयासों का परिणाम है, जो निर्यात प्रक्रियाओं को सरल बनाने और उद्योग में क्षेत्रीय विकास को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह पहल विशेष रूप से पंजाब और आसपास के क्षेत्रों के व्यवसायों के लिए कीमती आभूषणों के निर्यात की संभावनाओं को बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

जीजेईपीसी के अध्यक्ष विपुल शाह ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा, 'हम सरकार के निरंतर समर्थन के लिए आभारी हैं, जिन्होंने इस अधिसूचना के माध्यम से इस क्षेत्र में व्यापार सुगमता को बढ़ावा दिया है। अमृतसर मीनाकारी और जड़ाऊ आभूषणों के लिए एक प्रमुख केंद्र है। पहले, निर्यातकों को अपने निर्यात पार्सलों की जांच के लिए दिल्ली कस्टम्स जाना पड़ता था, जो न केवल समय लेने वाला था बल्कि लॉजिस्टिक समस्याएं भी पैदा करता था। अब, अमृतसर एयरपोर्ट को अधिकृत निर्यात बिंदु के रूप में अधिसूचित किए जाने से क्षेत्र के ज्वेलर्स को आसान और तेज़ निर्यात प्रक्रियाओं का लाभ मिलेगा।'

विपुल शाह ने आगे कहा, 'भारत-यूएई सीईपीए समझौते के बाद, दुबई में भारतीय जड़ाऊ आभूषणों की मांग में तेज़ी आई है, जो इन उत्कृष्ट आभूषणों के लिए एक प्रमुख बाजार है। वैश्विक स्तर पर जड़ाऊ आभूषणों के लिए भारी बाजार संभावनाएं और भविष्य की विकास संभावनाएं हैं। यह कदम पंजाब और आसपास के कारीगरों और निर्यातकों के लिए नए अवसरों के द्वार खोलेगा।' उन्होंने कहा, 'गुरुपुरब के पवित्र अवसर पर, मैं जीजेईपीसी की ओर से रत्न और आभूषण समुदाय के सभी सदस्यों को हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मैं एक बार फिर सरकार का आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस पावन दिन पर इतना महत्वपूर्ण तोहफा दिया है।' पहले, कीमती आभूषणों के निर्यात को संबंधित योजनाओं के तहत केवल 12 प्रमुख शहरों जैसे मुंबई, कोलकाता, दिल्ली, चेन्नई और जयपुर आदि में स्थित कस्टम हाउस के माध्यम से एयरफ्रेट और विदेशी डाकघरों से ही अनुमति दी गई थी। इसने विशेष रूप से उत्तरी क्षेत्रों में स्थित निर्यातकों के लिए विकल्प सीमित कर दिए थे।

यह नवीनतम संशोधन अमृतसर एयरपोर्ट को एक निर्यात केंद्र के रूप में जोड़ने के विशिष्ट विवरण को रेखांकित करता है और तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है।

1966 में भारत सरकार के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा स्थापित रत्न एवं आभूषण निर्यात संवर्धन परिषद (जीजेईपीसी), देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार द्वारा शुरू की गई कई निर्यात संवर्धन परिषदों (ईपीसी) में से एक है। 1998 से, GJEPC को स्वायत्त दर्जा दिया गया है। जीजेईपीसी रत्न एवं आभूषण उद्योग का शीर्ष निकाय है और आज इस क्षेत्र में 10000 से अधिक सदस्यों का प्रतिनिधित्व करता है।

मुंबई में मुख्यालय के साथ, जीजेईपीसी के नई दिल्ली, कोलकाता, चेन्नई, सूरत और जयपुर में क्षेत्रीय कार्यालय हैं, जो सभी उद्योग के प्रमुख केंद्र हैं। इस प्रकार इसकी व्यापक पहुंच है और यह सदस्यों को सीधे और अधिक सार्थक तरीके से सेवा प्रदान करने के लिए उनके साथ घनिष्ठ बातचीत करने में सक्षम है। पिछले दशकों में, जीजेईपीसी सबसे सक्रिय ईपीसी में से एक के रूप में उभरा है और इसने अपनी प्रचार गतिविधियों में अपनी पहुंच और गहराई का विस्तार करने के साथ-साथ अपने सदस्यों के लिए सेवाओं को व्यापक बनाने और बढ़ाने के लिए लगातार प्रयास किया है।

गोदरेज इंटेरियो ने त्योहारी सीजन में दर्ज की 25% की वृद्धि, होम पर्सनलाइजेशन पर मजबूत उपभोक्ता फोकस का संकेत

त्योहारी और शादी के मौसम में 35% राजस्व का लक्ष्य, उत्पाद नवाचार और खुदरा विस्तार द्वारा समर्थित

मुंबई, एजेंसी। गोदरेज एंड बॉयस के भारत के अग्रणी होम और ऑफिस फर्नीचर ब्रांड्स में से एक और गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का हिस्सा, गोदरेज इंटरियो ने त्योहारी सीजन के दौरान 25% की वृद्धि दर्ज की है, ऐसा उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं और विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत मांग के कारण संभव हुआ है। ब्रांड ने सभी क्षेत्रों में उल्लेखनीय दोहरे अंकों की वृद्धि दर्ज की, जिसमें उत्तर और मध्य भारत सबसे मजबूत प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों के रूप में उभरे।

त्योहारी सीजन में वृद्धि पर टिप्पणी करते हुए, गोदरेज इंटेरियो के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और उपभोक्ता व्यवसाय (BwC) के प्रमुख देव सरकार ने कहा, 'इस त्योहारी सीजन का प्रदर्शन आधुनिक भारतीय उपभोक्ताओं की उभरती जरूरतों और आकांक्षाओं के बारे में हमारी गहरी समझ को दर्शाता है। विभिन्न क्षेत्रों में मजबूत वृद्धि अपमोड्स रेंज जैसे उत्पादों के साथ वैयक्तिकरण और मॉड्यूलरिटी सहित डिजाइन-आधारित नवाचार पर हमारे रणनीतिक फोकस को मान्य करती है, और नवीनतम तकनीक का उपयोग

करके बेहतर ग्राहक अनुभव प्रदान करती है। निरंतर गुणवत्ता मानक बनाए रखते हुए एक विशाल उत्पाद रेंज के साथ विविध प्राथमिकताओं को पूरा करने की हमारी क्षमता इस सफलता की कुंजी रही है। चूंकि हम शादी के मौसम में प्रवेश कर रहे हैं, जहां उच्च उपभोक्ता गतिविधि की उम्मीद है, हमें विश्वास है कि हमारे लक्षित पेशकश, एक विस्तारित उत्पाद पोर्टफोलियो और गहरी बाजार पहुंच के साथ मिलकर हमें इस गति को बनाए रखने में सक्षम बनाएंगे। उपभोक्ता रुझानों के अनुरूप रहकर, हमारा लक्ष्य स्थानों को फिर से परिभाषित करना और अपने ग्राहकों के लिए सुखद अनुभव बनाना है।'

मांग में उछाल व्यक्तिगत रहने की जगह बनाने की दिशा में उपभोक्ता की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाता है, विशेष रूप से हाइब्रिड कार्य मॉडल के निरंतर अपनाने से प्रेरित है। गोदरेज इंटेरियो ने मॉड्यूलर फर्नीचर समाधानों और अनुकूलन योग्य पेशकशों में बढ़ती रुचि की सूचना दी, जो उपभोक्ताओं द्वारा अपने घरों को बहु-कार्यात्मक स्थानों के रूप में देखने की व्यापक प्रवृत्ति को दर्शाता है।

उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं के जवाब में, गोदरेज इंटेरियो ने बेडरूम, लिविंग और डाइनिंग श्रेणियों में अपमोड्स की एक विशेष श्रृंखला पेश की है, जो निजीकरण और मॉड्यूलरिटी पर ध्यान केंद्रित करती है। निःशुल्क साइट विज़िट और 3डी रूम प्लानर की शुरुआत के साथ-साथ आउटलेट पर डिजिटल मैन्युफैक्चरिंग सुविधा टूर के माध्यम से ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाया गया है।

गोदरेज इंटेरियो ने वित्त वर्ष 25 में अब तक 80 चैनल पार्टनर जोड़े हैं और वित्त वर्ष 25 के अंत तक 124 और जोड़ने की योजना है। इसके अतिरिक्त, उपभोक्ताओं को कई वित्त विकल्प प्रदान करने के लिए अग्रणी बैंकों के साथ रणनीतिक साझेदारी स्थापित की गई है। गोदरेज इंटेरियो को उम्मीद है कि त्योहारी और शादी के मौसम में उसके वार्षिक राजस्व में लगभग 35त्न का योगदान होगा, जो उसके विकास की यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। आगे देखते हुए, गोदरेज इंटेरियो ने विभिन्न मूल्य बिंदुओं पर अनुकूलित बेडरूम फर्नीचर पैकेजों के माध्यम से आगामी शादी के मौसम का लाभ उठाने की योजना बनाई है, जबकि विस्तार और बेहतर ग्राहक अनुभव पर अपना ध्यान केंद्रित रखा है।

वर्कस्पेस सॉल्यूशन्स कंपनी इंडिक्यूब ने हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धि, 100 संपत्तियों के आंकड़े को किया पार

नई दिल्ली, एजेंसी। वर्कस्पेस सॉल्यूशन्स कंपनी इंडिक्यूब ने 100 संपत्तियों के आंकड़े को पार करते हुए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। 9 साल पहले बैंगलोर में एक प्रॉपर्टी के साथ शुरू हुई कंपनी अब 14 शहरों में फैल गई है और 700 से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करती है।

आज इंडिक्यूब के पास बैंगलोर, पुणे, चेन्नई, हैदराबाद, मुंबई, गुड़गांव और नोएडा सहित प्रमुख टियर वन शहरों में उपस्थिति के साथ 7.2 मिलियन वर्ग फुट से अधिक का पोर्टफोलियो है। साथ ही, महामारी के बाद कंपनी ने कोयंबटूर, जयपुर, मदुरै, कोच्चि, विजयवाड़ा, कालीकट और मोहाली सहित टियर टू शहरों में भी अपनी शुरुआत की है।

बैंगलोर में इंडिक्यूब के पास 4.5 मिलियन वर्ग फुट से अधिक में फैली 59 संपत्तियां हैं। चेन्नई में 14 संपत्तियां हैं जो 1 मिलियन वर्ग फीट में फैली हुई हैं, और पुणे में 11 संपत्तियां हैं जो लगभग 750,000 वर्ग फीट में फैली हुई हैं। उल्लेखनीय रूप से, कोयंबटूर 3 संपत्तियों में लगभग 270,000 वर्ग फीट के साथ एक प्रमुख बाजार के रूप में उभरा है।

कंपनी ने प्रमुख माइक्रो मार्केट्स में 1-2 बड़े केंद्र स्थापित करके माइक्रो मार्केट से संबंधित एक खास विजन को अपनाया है। साथ ही कंपनी और उद्यमों तक पहुंच को सुनिश्चित करने के लिए उन्हें छोटे केंद्रों के साथ जोड़ते हुए आगे बढ़ती है।

कंपनी के विकास पर टिप्पणी करते हुए, इंडिक्यूब के को-फाउंडर ऋषि दास ने कहा, ''हमने 2015 में एक मैनेज्ड ऑफिस स्पेस प्रोवाइडर के तौर पर अपनी यात्रा शुरू की थी। आज हम जीसीसी, भारतीय उद्यमों, यूनिकॉर्न और स्टार्टअप की जरूरतों को पूरा करने वाली वन-स्टॉप कार्यस्थल समाधान कंपनी बन चुके हैं। हमारा यह लंबा सफर हमारे लिए अनेक अर्थों में महत्वपूर्ण रहा है।''

को-फाउंडर मेघना अग्रवाल ने कहा, ''महामारी के बाद, हमने काम करने के तरीके में बदलाव देखा है। काम अब प्रतिभा की ओर बढ़ रहा है, और उद्यम हाइब्रिड कार्यशैली को समायोजित करने के लिए कार्यालयों के वितरित नेटवर्क को तेजी से अपना रहे हैं।''

वेस्टब्रिज कैपिटल के को-फाउंडर और मैनेजिंग पार्टनर संदीप सिंघल ने कहा, ''इंडिक्यूब की यात्रा में यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, और हम उनकी वृद्धि और लगातार विकसित हो रही कार्यस्थल आवश्यकताओं के साथ तालमेल रखने के लिए इनोवेटिव विजन विकसित करने की क्षमता को लेकर उत्साहित हैं।

हम कंपनी और भारत भर में पारंपरिक कार्यस्थलों को अधिक तकनीकी रूप से उन्नत और सस्टेनेबल बनाने की उनकी पहल का समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

9 नए ब्रांड और नए सेगमेंट के साथ होगा ब्रांड का विस्तार

मुंबई, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी हॉस्पिटैलिटी कंपनी, इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (आईएचसीएल) ने आज 2030 के लिए अपनी व्यापक रणनीति की घोषणा की। योजना के तहत, आईएचसीएल अपने ब्रांडस्केप का विस्तार करेगी, उद्योग में सबसे ज़्यादा मार्जिन प्रदान करेगी, पूंजी पर 20% रिटर्न के साथ अपने कन्सॉलिडेटेड रेवेन्यू को दोगुना करेगी और दुनिया भर में सराहे जाने वाले अपने सिद्धांतों के साथ आगे बढ़ते हुए अपने पोर्टफोलियो में 700 से ज़्यादा होटलों को शामिल करेगी।

आईएचसीएल के मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्ज़ीक्यूटिव ऑफिसर श्री पुनीत छटवाल ने कहा, '350 होटलों का पोर्टफोलियो बनाकर आईएचसीएल ने अपनी उम्मीदों से बढ़कर प्रदर्शन किया है। इनमें से 200 से अधिक होटल ऑपरेटिंग हैं और लगातार दस तिमाहियों में रिकॉर्ड वित्तीय प्रदर्शन किया है। यह मज़बूत प्रदर्शन और एक मजबूत बैलेंस शीट के साथ हमें अपनी विकास गति को तेज़ करने के लिए तैयार करता है। इस क्षेत्र के दीर्घकालिक स्ट्रक्चरल टेल विंड्स इस विजन को सक्षम करते हैं, जिनमें भारत की अनुमानित 6.5% से अधिक की जीडीपी वृद्धि है, सरकार का बुनियादी ढांचे पर खर्च पर लगातार ध्यान, होटलों की आपूर्ति से ज़्यादा मांग और उपभोक्ताओं की खर्च करने की क्षमता में वृद्धि शामिल है।'

उन्होंने कहा, दक्षिण एशिया में सबसे मूल्यवान, जिम्मेदार और लाभदायक हॉस्पिटैलिटी इको-सिस्टम होने के अपने 'एक्सीलरेट 2030' के विजन के साथ भारत की पर्यटन क्षमता को साकार करने की अपनी प्रतिबद्धता में आईएचसीएल दृढ़ है। आईएचसीएल नए ब्रांड लॉन्च करके अपने ब्रांडस्केप का विस्तार करेगा, विषम बाजार परिदृश्य का लाभ उठाएगा और 2030 तक अपने पोर्टफोलियो को 700 होटलों तक ले जाएगा। अपने कन्सॉलिडेटेड रेवेन्यू को दोगुना करके 15,000 करोड़ रुपये करेगा, नए व्यवसायों इतना आगे बढ़ाएगा कि उनका रेवेन्यू में हिस्सा 25%+ होगा और दुनिया भर में सराही जाने वाली अपनी सेवा उत्कृष्टता को बनाए रखते हुए उद्योग में सबसे ज़्यादा मार्जिन और निवेश पर रिटर्न पाना जारी रखेगा।'

'एक्सीलरेट 2030' के तहत, पारंपरिक व्यवसायों और मैनेजमेंट फी से 75% और नए, रीइमैजिन्ड व्यवसायों से 25%+ के साथ टॉप-लाइन विकास को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। पारंपरिक व्यवसायों को RevPAR नेतृत्व, परिसंपत्ति प्रबंधन पहल और मौजूदा परिसंपत्तियों के इन्वेंट्री विस्तार के साथ सक्षम किया जाएगा। प्रबंधन शुल्क 2030 तक 1,000 करोड़ रुपयों से आगे जाने की उम्मीद है, जिसमें 'नॉट लाइक फॉर लाइक ग्रोथ' और प्रबंधित इन्वेंट्री की बढ़ती हिस्सेदारी का सबसे ज़्यादा योगदान होगा। जिंजर, क्यूमिन, अमा स्टेज़ एंड ट्रेल्स और ट्री ऑफ़ लाइफ़ जैसे नए व्यवसाय पूंजी लाइट रूट के ज़रिए तेज़ी से बढ़ेंगे, 30%+ का रेवेन्यू CAGR प्रदान करेंगे, जबकि द चैंबर्स और ताजसैट्स के रीइमैजिन्ड व्यवसाय अपनी विकास गति को जारी रखेंगे।

आईएचसीएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष और मुख्य वित्तीय अधिकारी श्री अंकुर दलवानी ने कहा, अगले कुछ वर्षों में मज़बूत नकदी प्रवाह बनने की उम्मीद के आधार पर, आईएचसीएल नेट कॅश के मामले में सकारात्मक बनी रहेगी। हमारे पूंजी आवंटन ढांचे में अगले 5 वर्षों में 5,000 करोड़ रुपये तक के आउटले के ज़रिए मौजूदा और भविष्य के प्रतिस्पर्धी लाभों को मज़बूत करने की दिशा में निवेश की परिकल्पना की गयी है। यह निवेश मौजूदा संपत्तियों और पहचानी गई विस्तार परियोजनाओं में होने की उम्मीद है।

हम शेयरधारकों को पीएटी का 20% से 40% वितरित करने की अपनी घोषित लाभांश नीति के लिए भी प्रतिबद्ध हैं, जिससे भविष्य के ग्रीनफील्ड्स, बढ़ते अकार्बनिक अवसरों और रणनीतिक नकदी भंडार के लिए पर्याप्त नकदी शेष रह जाएगी। इष्टतम पैमाने को प्राप्त करने, नए और री इमैजिन्ड ब्रांडों के लिए सुस्पष्ट रास्ता बनाने और अभिनव प्रारूपों और अवधारणाओं को पेश करने के लिए ब्रांडस्केप का विकास सबसे महत्वपूर्ण होगा। इसमें ब्रांडेड रेसिडेंसेस जैसे नए क्षेत्रों में प्रवेश करना और द क्लेरिजेस जैसे नए ब्रांडों के साथ ब्रांडस्केप का विस्तार करना शामिल है, जो लक्ज़री सेगमेंट में एक अलग पेशकश के साथ बढ़ने का अवसर है।

पोर्टफोलियो का विस्तार भारतीय उपमहाद्वीप में आईएचसीएल के नेतृत्व को बनाए रखेगा। ताज ब्रांड के साथ केवल कैपिटल लाइट रूट पर ध्यान केंद्रित करते हुए ग्लोबल गेटवे शहरों में अंतर्राष्ट्रीय उपस्थिति बनाई जाएगी।

ताज, सेलेक्शंस और विवांता अपनी स्थिर वृद्धि जारी रखेंगे, और दोनों मिलाकर पाइपलाइन में अन्य 100 होटलों का योगदान देंगे। नए उपभोक्ता रुझानों के साथ-साथ टियर I और II शहरों में विकास को दर्शाते हुए, हमारे नए एडिशन्स में 75% ट्री ऑफ लाइफ की बुटीक लेज़र, अपस्केल सेगमेंट में रीइमैजिन्ड गेटवे ब्रांड और मिडस्केल सेगमेंट में जिंजर शामिल होंगे।

भाकुर बच्चों के लालन-पालन को कर रहा है पुनर्परिभाषित

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेज़न इस महिला उद्यमिता दिवस पर, भाकुर की संस्थापक, दो दूरदर्शी उद्यमी बहनों, दीपा और दृष्टि की कहानी को सामने ला रही है। माता-पिता के लिए अपराधबोध से मुक्त, सहायक प्लेटफॉर्म बनाने के जज़्बे से प्रेरित, भाकुर मातृत्व और बच्चों के लालन-पालन (पेरेंटिंग) से जुड़े सामाजिक मानदंडों को चुनौती देता है। यह ब्रांड अपने सोच-समझकर तैयार कलेक्शन के माध्यम से एक समुदाय बनाने और आपस में जुड़ाव विकसित करने के प्रति समर्पित है, ताकि माता-पिता अपने-अपने साझा अनुभवों के ज़रिए जुड़ सकें। भाकुर की स्थापना इस मान्यता के आधार पर हुई कि आज की दुनिया में बच्चों के लालन-पालन का ढंग बदल रहा है, जहां माता-पिता आश्वास्ति और साझा समझ की तलाश कर रहे हैं। दीपा और दृष्टि एक ऐसा मंच बनाना चाहती थीं जहां पालन-पोषण से जुड़ी भावनाएं, चुनौतियां और सफलताओं की कहानियां खुलकर साझा की जा सकें। उनका क्यूरेटेड कलेक्शन जीवन के विभिन्न क्षेत्रों के माता-पिता की ज़रूरतों को पूरा करता है और यह सुनिश्चित करता है कि समुदाय की भावना विकसित होने के साथ-साथ उनकी ज़रूरतें पूरी हों। भाकुर अपने काम के ज़रिये पारंपरिक मानदंडों को तोड़कर माता-पिता की भूमिकाओं और ज़िम्मेदारियों से जुड़े नए दृष्टिकोण प्रदान करना चाहता है।

अमेज़न के साथ भागीदारी: इस साल सहेली कार्यक्रम के ज़रिये अमेज़न के साथ भाकुर का सहयोग, ब्रांड के अपने मिशन को आगे बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह साझेदारी अभी शुरुआती चरण में है लेकिन अमेज़न से मिले समर्थन ने भाकुर की विज़िबिलिटी और प्लेटफॉर्म पर कैटलॉगिंग को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अमेज़न का मार्केटप्लेस इन दोनों बहनों को दर्शकों के विशाल वर्ग तक पहुंचने के लिए एक आसान ज़रिया प्रदान करता है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि समान पालन-पोषण के उनके संदेश का प्रसार हो।

दीपा और दृष्टि डी2सी स्पेस की प्रतिस्पर्धी प्रकृति को समझती हैं और अमेज़न के टूल और संसाधनों को महत्व देती हैं, जो उन्हें अपनी उपस्थिति स्थापित करने और इसके बढ़ाने के लिए एक मज़बूत ढांचा प्रदान करते हैं। यह साझेदारी, महिला उद्यमियों को सशक्त बनाने के प्रति अमेज़न की प्रतिबद्धता की है, जो भाकुर को अपने मूल्यों को साझा करने और देश भर के माता-पिता से जुड़ने के लिए एक मंच प्रदान करती है।

भावी योजना: दीपा और दृष्टि भाकुर के ज़रिये एक ऐसा भविष्य तैयार करने की कल्पना कर रही हैं कि जहां समान पालन-पोषण आम हो और उनका ब्रांड उच्च गुणवत्ता वाले, विचारशील उत्पादों का पर्याय बन जाए जो माता-पिता को उनकी यात्रा में मदद कर सके। दोनों बहनें अगले दशक में एक ऐसा वहनीय व्यवसाय तैयार करना चाहती हैं जो अपने उत्पादों की पेशकश का विस्तार करते हुए बच्चों के लालन-पालन के बारे में संवाद को बढ़ावा देना जारी रख सके। दीपा और दृष्टि अमेज़न के नेटवर्क और साझा दृष्टिकोण का उपयोग कर आधुनिक बच्चों के लालन-पालन के दृष्टिकोण को पुनर्परिभाषित करना चाहती हैं और एक ऐसी विरासत का निर्माण करना चाहती हैं जो दुनिया भर के परिवारों को प्रेरित कर सके।

अमेज़न सहेली के बारे में: अमेज़न सहेली कार्यक्रम 2017 में शुरू किया गया था जिसका उद्देश्य है, भारत में महिला उद्यमियों और स्थानीय महिलाओं के स्वामित्व वाले व्यवसायों के स्थानीय रूप से बनाए गए उत्पादों के बारे में जागरूकता और पहुंच बढ़ाना।

भारतीय स्टेट बैंक ने अपनी प्रतिष्ठित शाखा की शताब्दी विरासत और उत्कृष्टता का जश्न मनाया

मुंबई, एजेंसी। भारतीय स्टेट बैंक की समृद्ध विरासत का सम्मान करते हुए, भारत की माननीय वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, श्रीमती निर्मला सीतारमण ने एसबीआई की प्रतिष्ठित हॉर्निमैन सर्किल शाखा की शताब्दी के उपलक्ष्य में विशेष रूप से ढाले गए रु.100 के स्मारक सिक्के का अनावरण किया।

सिक्के के लॉन्च के साथ-साथ, उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक के विकास के 5वें संस्करण का भी अनावरण किया, जिसमें 1981 से 1996 के बीच बैंक की यात्रा के परिवर्तनकारी युग का वर्णन किया गया है।

इस कार्यक्रम में वित्तीय सेवा विभाग (DFS) के सचिव, श्री एम. नागराजू सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

इस अवसर पर वित्त और कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री, Smt. Nirmala Sitharaman ने कहा, 'एसबीआई की उल्लेखनीय यात्रा, जो अपनी प्रतिष्ठित शाखा के शताब्दी समारोह के साथ समाप्त हो रही है, विकास और सेवा की एक असाधारण विरासत को दर्शाती है। 1920 के विलय के समय 100 शाखाओं से लेकर आज 22,640+ शाखाओं तक, वित्त वर्ष 2025 में 500 और जोड़ने की योजना के साथ, एसबीआई अपनी पहुंच का विस्तार करना जारी रखता है।

एसबीआई का योगदान आंकड़ों से कहीं आगे जाता है - इसने अत्याधुनिक डिजिटल तकनीक को अपनाकर और वित्तीय समावेशन सुनिश्चित करके भारत के बैंकिंग परिदृश्य को बदल दिया है।

परंपरा को आधुनिकता से जोड़ने की इसकी यात्रा विरासत शाखाओं के संरक्षण में परिलक्षित होती है, जबकि इसके प्रमुख डिजिटल प्लेटफॉर्म, जैसे कि योनो, वैश्विक मंच पर भारत की फिनटेक क्षमताओं को प्रदर्शित करते हैं।'

सरकारी टीचर को अन्य स्कूल भेजने पर लगाई रोक

शिक्षक की जगह संविदाकर्मी को दी नियुक्ति, रेट ने रोक लगाते हुए शिक्षा विभाग से मांगा जवाब

जयपुर, 20 नवम्बर। महात्मा गांधी सरकारी स्कूल में कार्यरत शिक्षक को सरप्लस बताकर दूसरी स्कूल में भेजने के शिक्षा विभाग के आदेश पर रेट ने रोक लगा दी हैं। यह रोक राजस्थान सिविल सेवा अपील अधिकरण (रेट) के न्यायिक सदस्य अनन्त भंडारी एवं सदस्य शुचि शर्मा की बेंच ने प्रार्थी शिक्षक की अपील पर सुनवाई करते हुए लगाई। रेट ने माध्यमिक शिक्षा विभाग के शासन सचिव और निदेशक सहित दो अन्य को नोटिस जारी कर जवाब भी मांगा है। शिक्षक गणेश दान बिटटू के वकील संदीप कलवानिया ने बताया कि माध्यमिक शिक्षा विभाग की ओर से साल 2022 में अंग्रेजी मीडियम के शिक्षकों के पदस्थापन के लिए चयन प्रक्रिया की गई थी। उक्त चयन प्रक्रिया में शिक्षक गणेश का वॉक इन इंटरव्यू से चयन हुआ था। चयन आदेश की पालना में गणेश ने महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय (अंग्रेजी माध्यम) सींथल में साल 2022 में कार्यग्रहण कर लिया। इसके एक साल बाद साल 2023 में विभाग ने आदेश जारी कर संविदा भर्ती के तहत सहायक अध्यापक के पद को एक साल के लिए संविदा पर एक शिक्षक को बिना रिक्त पद के पदस्थापित कर दिया। विद्यालय में तृतीय श्रेणी अध्यापक लेवल द्वितीय विषय अंग्रेजी का एक ही पद स्वीकृत था। और उस पर प्रार्थी पहले से कार्यरत है। इसके बावजूद विभाग ने बिना रिक्त पद के ही संविदा पर अन्य शिक्षक को पदस्थापित कर दिया है। संविदा के शिक्षक को पदस्थापित किए जाने कारण उसे सरप्लस बता दिया गया। वहीं, 14 सितम्बर को उसे अन्य स्कूल में पदस्थापित करने के आदेश जारी कर दिए। इसी बीच माध्यमिक शिक्षा विभाग बीकानेर ने 14 नवम्बर को पूरे प्रदेश के लिए आदेश निकालते हुए कहा कि जिन स्कूलों में स्वीकृत पदों से ज्यादा शिक्षक कार्यरत हैं। उन्हें दूसरी स्कूलों मे रिक्त पदों पर पदस्थापित किया जाए। लेकिन रेट ने आपने आदेश में साफ किया है कि प्रार्थी पर विभाग का 14 नवम्बर का जनरल आदेश लागू नहीं होगा।

ऑनलाइन बुकिंग के जरिए बिहार जा रही शराब जब्त

सीकर, 20 नवम्बर। सीकर की उद्योग नगर थाना पुलिस को बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने ऑनलाइन बुकिंग के मार्फत बिहार जा रही हजारों रुपए की शराब बरामद की है। पुलिस ने यह कार्रवाई कोरियर कंपनी के संचालक की सूचना पर की। फिलहाल पुलिस ने शराब को जब्त कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। उद्योग नगर पुलिस थाने के एएसआई सुखदेव सिंह ने बताया कि आज इंडस्ट्रियल एरिया सीकर में डिलीवरी लिमिटेड के संचालक सुशील कुमार ने सूचना दी कि ऑनलाइन बुकिंग के जरिए ऑफिस में 4 बड़े बक्से दरभंगा बिहार जाने के लिए आए हुए हैं, जिसमें काफी ज्यादा वजन है जो हमें संदिग्ध लग रहे हैं। संभावना है कि उसमें कोई अवैध सामान भी हो। इस सूचना पर स।ह्ल सुरेंद्र सिंह देग?ा ने,स्ढ्ढ बीरबल सिंह,स्ढ्ढ सुखदेव सिंह,कांस्टेबल बलबीर,राजेश और ड्राइवर बनवारी की टीम बनाई। जब टीम मौके पर पहुंची तो चारों बक्सों के ताला लगा हुआ मिला। जिन्हें तोड़कर चेक किया गया तो अंदर बक्से में 2-2 पैकेट पॉलीथिन से पैक हुए मिले। जब उन्हें खोलकर देखा गया तो चारों बक्सों में से कुल 180 द्व्य के 760 रॉयल व्हिस्की के पाउच मिले। जिन्हें जब्त करते हुए मुकदमा दर्ज कर अनुसंधान शुरू किया गया है।

पुलिस के अनुसार जिसके द्वारा यह ऑनलाइन बुकिंग की गई थी। उसने टैक्सी के जरिए बक्से डिलीवरी ऑफिस भिजवाए। बुकिंग करवाने वाले ने कॉल भी किया था। ऐसे में अब पुलिस ऑनलाइन बुकिंग के डाटा और मोबाइल नंबरों के आधार पर मामले की जांच में जुटी है।

फ्लैट पर कब्जा, दूसरों के कनेक्शन से जोड़ी बिजली मना करने पर धमकाया

अजमेर, 20 नवम्बर। अजमेर के कोटड़ा स्थित निराला हिल्स के एक फ्लैट पर अवैध रूप से कब्जा करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि आरोपी ने बिजली कनेक्शन के लिए भी अन्य लोगों के कनेक्शन से जबरन तार जोड़ लिए। मना करने पर धमकाता है। क्रिश्चयनगंज थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रगति नगर, कोटड़ा, अजमेर स्थित निराला हिल्स के प्रतिनिधि रवि कुमार डांगोर ने क्रिश्चयनगंज थाने में रिपोर्ट दी कि कंपनी द्वारा निराला हील्स सोसाइटी का निर्माण कराया गया है। जिसके टावर संख्या टी-2, फ्लैट नंबर-703, में गैरकानूनी तरीके से बिना रजिस्ट्री कराए और बिना भुगतान किए आरोपी निवास कर रहा है। अब तक कोई वैधानिक तरीके से बिजली कनेक्शन के लिए न तो कोई आवेदन किया है और न ही बिजली कनेक्शन प्राप्त किया है।

जालोर में महापड़ाव, रास्ते पर ट्रैक्टर खड़े कर लगाया जाम, कलेक्ट्रेट के सामने जुटे किसान

जालौर, 20 नवम्बर। जालोर में भारतीय किसान संघ के आह्वान पर मंगलवार सुबह 10 बजे से किसान महापड़ाव शुरू हो गया। महापड़ाव में आस-पास के 300 गांवों से 5 हजार से ज्यादा किसान प्रतिनिधि पहुंचे हैं। किसानों के आने का क्रम जारी है। महापड़ाव जालोर जिला कलेक्ट्रेट के सामने दिया जा रहा है। यह महापड़ाव अनिश्चित कालीन है। महापड़ाव के जरिए किसान पानी और बीमा की मांग कर रहे हैं। दोपहर 12 बजे के करीब किसानों ने जिला कलेक्ट्रेट, वन वे रोड, अस्पताल चौराहे पर बीच रास्ते में ही ट्रैक्टर लगाकर जाम लगा दिया। इसके बाद पुलिस प्रशासन व तहसीलदार किसानों को समझाने पहुंचे। किसानों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। प्रदर्शनकारियों ने भारतीय किसान संघ के बैनर तले मुख्यमंत्री के नाम जिला कलेक्टर डॉ. प्रदीप के गवांडे को ज्ञापन सौंप कर उचित कार्रवाई की मांग की। कलेक्ट्रेट के सामने करीब 3 हजार से ज्यादा किसान धरना प्रदर्शन में शामिल हैं। इनमें महिलाओं की भी काफी संख्या है। दोपहर 1.30 बजे तक बड़ी संख्या में किसान महापड़ाव पर पहुंच चुके हैं। पुलिस ट्रैक्टरों को रास्ते से हटवाने के प्रयास कर रही है। महापड़ाव में जालोर, आहोर, सायला, बागोड़ा उपखंड के किसान बड़ी संख्या में जुटे हैं। किसानों का आना जारी है। जवाई बांध के पानी पर जालोर का हक तय करने की मांग को लेकर जिला कलेक्टर के सामने किसानों धरना प्रदर्शन किया जा रहा है। धरना स्थल पर ही किसानों के लिए भोजन में लापसी, दाल और रोट तैयार किया जा रहा है। मौके पर ही भट्‌टी लगाकर कहाही में लापसी तैयार की जा रही है। भारतीय किसान संघ के जिला अध्यक्ष रतन सिंह कानीवाड़ा ने बताया- पानी और बीमा हमारी सबसे बड़ी मांगें हैं। जवाई नदी के पानी पर पूरी तरह जालोर का हक होना चाहिए। पानी के मामले में जालोर जिला अब डार्क जोन से भी बदतर हालात में है। अति दोहन के कारण यहां पर्यावरण का संतुलन बिग? चुका है। भूजल की क्वालिटी इतनी खराब हो चुकी है कि यह पीने लायक भी नहीं रहा है। यहां तक कि पेड़ पौधे के उगने पर भी तेजी से असर प? रहा है। ऐसा ही रहा तो कुछ समय बाद जालोर जिला पूरी तरह बंजर हो जाएगा। हमारी मांग जवाई नदी के प्राकृतिक बहाव को लेकर है।

जवाई नदी पर जितने भी बांध हैं, जिनमें सबसे बड़ा जवाई बांध है, वहां से पानी जवाई नदी में वर्षभर बहाया जाए और नदी के प्राकृतिक बहाव को मेंटेन किया जाए। तय किया जाए कि सभी बांधों से पानी नदी में छोड़ा जाए। जवाई बांध के अलावा नदी पर 10-15 एनीकट भी बने हैं जिन पर गेट भी नहीं हैं। यहां एनीकट से पानी वाष्पीकरण से उ? रहा है। उस पानी को भी गैप लगाकर नदी में छो?ा जाए। नदी का सामान्य फ्लो नहीं रुकना चाहिए। सिर्फ अतिवृष्टि होने की स्थिति में ही बांध पर पानी रोकने की व्यवस्था होनी चाहिए। उन्होंने कहा- हमारी दूसरी मांग बीमा क्लेम को लेकर है। किसानों के फसल बीमा की अर्जियां, पटवार मंडलों की अपील के रूप में जयपुर कार्यालय में पैंडिंग प?ी हैं। यह करीब सवा सौ करो? रुपए का बीमा है, वह समय पर किसानों को मिलना चाहिए। सरकार इस पर ठोस कार्रवाई करे। रतनसिंह कानीवा?ा ने बताया- जालोर जिले के किसान 31 साल से हर साल धरना प्रदर्शन कर जवाई बांध के पानी पर जालोर का एक हिस्सा तय करने की मांग कर रहे हैं।

भारतीय किसान संघ सहित जिले के विभिन्न किसान संगठन मंगलवार को इसी मांग को लेकर महापड़ाव पर हैं। मांगें पूरी नहीं होने तक महापड़ाव जारी रहेगा। महापड़ाव के लिए खाने-पीने की पूरी व्यवस्था स्थानीय किसान संगठनों की ओर से ही की जा रही है।

बीकानेर के मंदिरों के जीर्णोद्धार के लिए मांगा बजट

उप मुख्यमंत्री से मिले विधायक व्यास, पुष्करणा समाज के सावे में सुविधा देने की रखी मांग

बीकानेर, 20 नवम्बर। बीकानेर (पश्चिम) विधायक जेठानंद व्यास ने मंगलवार को उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी एवं देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत से जयपुर में मिलकर बीकानेर शहर के पर्यटन स्थलों और मंदिरों के जीर्णोद्धार की मांग की।

व्यास ने उप मुख्यमंत्री एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग मंत्री दीया कुमारी से वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट दौरान शहरी क्षेत्र की सड़कों के लिए घोषित आठ करोड़ के अतिरिक्त 8 करोड़ रुपए बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र की सड़कों के लिए स्वीकृत करने की बात कही। शहरी क्षेत्र की सड़कें अधिक बरसात के कारण ज्यादा क्षतिग्रस्त हुई हैं। इस कारण अतिरिक्त राशि की जरूरत है। उप मुख्यमंत्री ने पांच करोड़ रुपए अतिशीघ्र जारी करने की सहमति जताई और कहा कि शेष राशि चरणबद्ध तरीके से स्वीकृत कर दी जाएगी। बीकानेर (पश्चिम) विधायक ने इस साल 18 फरवरी को बीकानेर में आयोजित पुष्करणा ब्राह्मण समाज के ओलिंपिक सावे के दौरान दांपत्य सूत्र में बंधे 56 जोड़ों को मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह एवं अनुदान योजना के तहत अनुदान के नियमों में शिथिलता प्रदान करने के सम्बन्ध में भी चर्चा की। विवाह पंजीकरण प्रमाण-पत्र तैयार नहीं होने के कारण कुछ अभिभावकों की ओर से श्री पुष्टिकर सूरदासानी पंचायती ट्रस्ट को आवेदन नहीं दिया जा सका। ऐसे में समय बीतने के बाद इसकी छूट प्रदान करने की बात रखी गई।

बीकानेर पश्चिम विधायक ने बीकानेर शहरी क्षेत्र में सखी वन स्टॉप केंद्र खुलवाने का भी आग्रह किया। वर्तमान में संचालित केंद्र के अलावा एक और केंद्र खोले जाने की स्थिति में महिलाओं को प्रत्यक्ष राहत मिलेगी। बीकानेर (पश्चिम) विधायक व्यास ने देवस्थान विभाग मंत्री जोराराम कुमावत से मुलाकात कर भीनासर स्थित मुरली मनोहर मंदिर के जीर्णोद्धार के लिए बजट आवंटित करने की मांग की। उन्होंने देवस्थान विभाग मंत्री को अवगत करवाया कि मानसून के दौरान भारी बारिश के कारण मुरली मनोहर मंदिर का एक हिस्सा गिर गया था। इसके लिए देवस्थान विभाग के सहायक अभियंता से तकमीना बनाकर भिजवाया जा चुका है। बजट आवंटित होने पर यह कार्य शुरू किया जा सकेगा।

व्यास ने प्रताप बस्ती स्थित हनुमानजी मंदिर तथा शीतला गेट स्थित श्री सती शीतला माता जी के मंदिर के जीर्णोद्धार करवाने के लिए बजट आवंटित करने के लिए भी देवस्थान विभाग मंत्री से आग्रह किया।

राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में खड़ा हुआ नया विवाद

श्रीगंगानगर संघ के सेक्रेटरी बोले-कांग्रेस के एजेंट हैं

जयपुर, 20 नवम्बर। राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। श्रीगंगानगर जिला संघ के सेक्रेटरी विनोद सहारण ने एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत और रतन सिंह पर कांग्रेस के एजेंट के तौर पर काम करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा- यह दोनों भ्रष्टाचार कर खिलाड़ियों का सिलेक्शन कर रहे हैं। राजस्थान के युवा खिलाड़ियों का भविष्य खराब कर रहे हैं।

ऐसे में इन दोनों को हटाने के साथ ही इनके खिलाफ निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर अब मैं मुख्यमंत्री और खेल मंत्री से शिकायत करूंगा। विनोद सहारण ने कहा- राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन की एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत और रतन सिंह ने भ्रष्टाचार मचा रखा है। यह दोनों कांग्रेस के एजेंट बनकर भारतीय जनता पार्टी से समर्थित जिला संघों के खिलाफ षड्यंत्र के तहत साजिश कर रहे हैं। यह दोनों पूरी तरह से कांग्रेसी हैं। इनमें धर्मवीर सिंह तो वैभव गहलोत की कोर टीम में शामिल था। रतन सिंह कांग्रेस का एजेंट बनकर काम करता आया है। भ्रष्टाचार कर डमी खिलाड़ियों को शामिल कर रहे "एडहॉक कमेटी के कन्वीनर के पास सबसे ज्यादा शक्तियां होती है, लेकिन मौजूदा हालात में धर्मवीर सिंह और रतन सिंह ही राजस्थान के क्रिकेट को चला रहे हैं। यह दोनों मिलकर अपने पसंदीदा कांग्रेसी लोगों को सिलेक्शन कमेटी की जिम्मेदारी दे रहे हैं। इनसे मिलकर यह जमकर भ्रष्टाचार कर खिलाड़ियों की जगह डमी खिलाड़ियों को राजस्थान टीम में शामिल कर रहे हैं।

टेलेंटेड खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया" पाली और बीकानेर के नॉन परफॉर्मर खिलाड़ियों को प्रदेश टीम में शामिल कर दिया गया। वहीं, श्रीगंगानगर, भरतपुर, अलवर, नागौर और धौलपुर समेत जो भी जिला संघ भारतीय जनता पार्टी की विचारधारा से जुड़े थे, उनमें से भी टैलेंटेड खिलाड़ियों को मौका नहीं दिया गया है। जबकि इन जिलों के कई खिलाड़ी भारतीय टीम में भी शामिल हो चुके हैं। ऐसे में एडहॉक कमेटी द्वारा सेलेक्ट किए गए प्लेयर्स की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।सिलेक्टर्स पर बना रहे दबाव" इन दोनों ने ही सिलेक्टर्स पर दबाव बनाकर कन्हैयालाल स्वामी जैसे खिलाड़ी को राजस्थान रणजी ट्रॉफी जैसे बड़े मुकाबले की टीम में शामिल करवा दिया। वह इस लायक ही नहीं है कि रणजी ट्रॉफी का मुकाबला खेल सके। वहीं, राजेश बिश्नोई सीनियर को राजस्थान रणजी टीम और दिनेश विश्नोई को अंडर-16 का कोच बनाया है। सहारण ने कहा- मैं प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और खेल मंत्री राज्यवर्धन सिंह राठौड़ से मिल कर इन दोनों कांग्रेसी एजेंट को हटाने और इनके निष्पक्ष जांच की मांग करूंगा। इन दोनों ने राजस्थान के युवा खिलाड़ियों के भविष्य को बर्बाद करने का काम किया है। सहारण ने कहा कि सिलेक्शन कमिटी की मीटिंग में भी रतन सिंह और धर्मवीर सिंह नियमों के विपरीत जाकर हिस्सा लेते हैं। इन लोगों ने डूंगरपुर जिला संघ के सेकेटरी के भांजे को शतक लगाने के बावजूद अंडर 19 टीम में शामिल नहीं होने दिया। रतन सिंह और धर्मवीर सिंह सिफारशी लड़कों को टीम में शामिल करना चाहते थे। इन दोनों का किन-किन क्रिकेट एकेडमी से संबंध है। अब तक इन्होंने एडहॉक कमेटी में रहते हुए क्या-क्या काम किया। इसकी भी निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। ताकि प्रदेश की जनता को भी राजस्थान क्रिकेट संघ में चल रहे गड़बड़ घोटाले की असलियत पता चल सके। एडहॉक कमेटी के सदस्य धर्मवीर सिंह शेखावत ने सहारण के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा- विनोद सहारण ने अब तक जितने मैच नहीं करवाए उससे ज्यादा मैच कोच खिलाड़ी खेल चुके हैं। 2018 में जब भारतीय जनता पार्टी की सरकार जा रही थी, तब विनोद सहारण को एडहॉक कमेटी का कन्वीनर बनाया गया था। तब 3 महीने का वक्त उन्होंने सिर्फ पैसों का लेनदेन में ही बिता दिया। वह मुझ पर वैभव गहलोत की कोर टीम का हिस्सा होने का आरोप लगा रहे हैं। मैं तो वैभव गहलोत के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने वाले लोगों में शामिल था। एडहॉक कमेटी के सदस्य रतन सिंह ने कहा- मेरे परिवार में काफी सदस्य भारतीय जनता पार्टी से जुड़े हुए हैं। जिन भी खिलाड़ियों का विनोद नाम ले रहे हैं, वह अपनी काबिलियत के बदौलत टीम में शामिल हुए हैं। मैं तथ्यों के साथ बात करता हूं। वैसे भी विनोद सहारण को झुंझुनूं और झालावाड़ तक लिखना नहीं आता है। मैं उस जैसे व्यक्ति से क्या ही बहस करूं।

पाली में तेज रफ्तार कार पलटी, युवक की मौत

पाली, 20 नवम्बर। पाली में एक तेज रफ्तार कार पलट गई। हादसे में युवक की मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में उसके परिजन व परिचित हॉस्पिटल पहुंचे।

युवक की बॉडी देख परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। जिन्हें ग्रामीणों ने संभाला। पोस्टमार्टम करवा शव पुलिस ने परिजनों को सौंपा। दरअसल पाली जिले के सिरियारी थाना क्षेत्र के मलसाबावड़ी के निकट सोमवार रात को कार अंसतुलित होकर पलट गई। हादसे में नरेंद्र चौधरी पुत्र ढगलाराम चौधरी गंभीर घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल लाया गया। जहां जांच के बाद डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक डिंगोर चौराहे से राणावास की ओर आ रहा था। इस दौरान यह हादसा हो गया। हादसे की जानकारी मिलने पर बड़ी संख्या में मृतक के परिजन व परिचित मारवाड़ जंक्शन हॉस्पिटल पहुंचे। युवक की बॉडी देख उसके परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। जिन्हें ग्रामीणों ने संभाला।

जोधपुर ब्यूटीशियन हत्याकांड

अनीता चौधरी का अंतिम संस्कार हुआ, 21 दिन बाद सहमति परिवार को मिलेंगे 51 लाख

जोधपुर 20 नवम्बर। जोधपुर रेंज की साइक्लोनर टीम ने,श्वह्र और वन रक्षक भर्ती परीक्षा (2024) मामले में 1 साल से फरार आरोपी और उसके सहयोगी मौसेरे भाई को पकड़ा है। आरोपी फर्जीवाड़े से 10 साल में 2 भर्ती परीक्षाएं खुद पास कर चुका था। पहले मेवात गैंग के साथ मिलकर फर्जी डिग्रियां बांटता इसके बाद खुद का नेटवर्क बना कर काम शुरू किया। इससे नाराज होकर मेवात गैंग के ही सदस्य ने पुलिस को इसका नाम बताया था। पुलिस ने बचने के लिए आरोपी मकान के छज्जे पर सोता था। ताकि पुलिस आए तो यह आसानी से खेतों में भाग कर फरार हो सके। इसकी तलाश के दौरान पुलिस ने ग्रामीणों की चर्चा में बड़े अपराधी के गांव में छिपे होने की बात सुनी थी। जोधपुर रेंज आईजी ने बताया कि फर्जी डिग्री बांटने और पेपर लीक मामले में दीपक विश्नोई (34) पुत्र बाबूलाल निवासी विष्णु नगर लूणी और उसके मौसेरे भाई मनोहर बिश्नोई (22) पुत्र पुनाराम निवासी चंपा की ढाणी ग्राम डूंगरपुर रोहट जिला पाली को गिरफ्तार किया गया है। दीपक पर 25 हजार का इनाम रखा गया था। यह फर्जीवाड़े से 8 साल जेल प्रहरी और कुछ महीने पीटीआई के पद पर भी तैनात रहा। मेवात गैंग से पेपर लीक मामले में पूछताछ के दौरान इसका नाम सामने आया था। इस दौरान टीम को जोधपुर के पास रामड़ावास गांव में ग्रामीणों से बड़े अपराधी के छिपे होने का इनपुट मिला था। आईजी विकास कुमार ने बताया कि तलाश के दौरान टीम ने ग्रामीण से सुना कि गांव में एक ऐसा अपराधी छिपा है जिसे पुलिस गांव में घुस कर नहीं पकड़ सकती। पुलिस में इतनी हिम्मत नहीं है कि वह गांव में जाकर उसे गिरफ्तार कर सके। इसी इनपुट के आधार पर मंगलवार सुबह चिन्हित मकान में दबिश दी तो पता चला कि यह 25 हजार का इनामी दीपक है। आईजी विकास कुमार ने बताया कि आरोपी को जब पुलिस ने पकड़ा तब वह छज्जे के पास सो रहा था। उसे लगता था कि पुलिस कभी भी उसे पकड़ने आ सकती है। ऐसे में छज्जे से कूद कर वह खेतों के रास्ते फरार हो जाएगा। आईजी ने कहा- 2 दिन पहले जोधपुर रेंज की पुलिस ने साल 2021 की रीट भर्ती परीक्षा घोटाले को लेकर इमरती बिश्नोई को गिरफ्तार किया था। इसके बाद से ही आरोपी दीपक को यह डर लगने लगा था कि पुलिस अब उस तक भी पहुंच सकती है। ऐसे में वह यहां आकर छिपा था। आईजी ने बताया- दीपक के लिए उसके बैंक अकाउंट और लेनदेन का काम उसका मौसेरा भाई मनोहर बिश्नोई करता था। उसे भी पाली जिले के रोहट के डूंगरपुर गांव से पकड़ा। वह भी पुलिस से डरकर अपनी बुआ के यहां छिपा हुआ था। आईजी ने बताया कि दीपक बिश्नोई साल 2014 में छ्वश्वह्र भर्ती पेपर लीक मामले में मास्टरमाइंड जगदीश जानी को डेढ़ लाख रुपए देकर ब्ल्यूटूथ के जरिए जेल प्रहरी की परीक्षा में बैठा था। इसके बाद से वह जेल प्रहरी के पद पर नौकरी कर रहा था। उसने 9 साल तक उदयपुर कोटड़ा और राजसमंद में नौकरी की। जहां जेल में उसका संपर्क मेवात की पेपर लीक और फर्जी डिग्री बनाने वाली गैंग से हुआ। उसने मेवात गैंग के साथ मिलकर फर्जी डिग्रियां बांटने और भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक करने का काम एजेंट के तौर पर शुरू कर दिया। इस दौरान उसने वनरक्षक,श्वह्र, ष्ट।ह्र और पीटीआई परीक्षाओं में पेपर लीक भी किए हैं। प्रारम्भिक पूछताछ में सामने आया कि दीपक की पत्नी उस पर कार लेने का दबाव बनाती थी। ऐसे में उसने जेल प्रहरी की नौकरी के दौरान 2020 में क्क्षद्ब भर्ती का एग्जाम दिया। यहां भी दीपक ने मेवात गैंग के साथ मिलकर पेपर लीक किया था और उसी पेपर के जरिए एग्जाम पास किया। इसके बाद 2023 में उसकी पाली जिले के गुड़ा एंदला में पीटीआई के पद पर नियुक्ति हो गई। यहां पर नौकरी करने के दौरान उसने उदयपुर की गैंग के साथ मिलकर बीटेक, बीएससी और बीपीएड की फर्जी डिग्रियां भी बांटी थी। एक डिग्री के करीब 2.5 से 3 लाख लेता था। जबकि भर्ती परीक्षाओं के पेपर के लिए 3 लाख रुपए अभ्यर्थियों से लेता था। पूछताछ में सामने आया कि दीपक ने 2014 के बाद जेल में मेवात गैंग के संपर्क में आने के बाद एजेंट के रूप में काम शुरू किया था। लेकिन, उसका रुपयों को लेकर लालच बढ़ गया था। धीरे-धीरे उसने मेवात गैंग से अलग होकर खुद का अपना काम शुरू करने की ठानी। वह अभ्यर्थियों से अब डायरेक्ट डील करने लगा था। इसके लिए उदयपुर के पेपर लीक माफियाओं से हाथ मिलाया। इस दौरान उसने एक अभ्यर्थी को फर्जी डिग्री दी थी। यह डिग्री वेरिफिकेशन के दौरान पकड़ी गई। ऐसे में अभ्यर्थी ने मेवात गैंग से संपर्क कर इसकी पूरी जानकारी दी।

इसके बाद मेवात गैंग के आरोपियों ने पूछताछ में इसका नाम भी लिया। साल 2024 में ही इसका एक दलाल भी पक?ा गया जिसने फर्जी डिग्री के मामले में दीपक का नाम लिया था। इसके बाद से वह स्ह्लत्र की राडार पर आ गया था। यह पुलिस को चकमा देने के लिए फोन का यूज नहीं लेता था। दीपक बिश्नोई के पिता सरकारी टीचर रह चुके हैं।

ग्रेजुएट्स को मौका : राष्ट्रीय ग्रामीण मनोरंजन मिशन में 4,572 पदों पर निकली भर्ती

राष्ट्रीय ग्रामीण मनोरंजन मिशन सोसाइटी ने 4000 से ज्यादा पदों पर भर्ती निकाली है। उम्मीदवार ऑफिशियल वेबसाइट nrrmsvacancy.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स

डिस्ट्रिक्ट प्रोजेक्ट ऑफिसर 63 पद, अकाउंट्स ऑफिसर = 128 पद, टेक्नीशियन असिस्टेंट 221 पद, डेटा मैनेजर 460 पद, MIS मैनेजर 383 पद, MIS असिस्टेंट 594 पद, मल्टी-टास्किंग ऑफिशियल 561 पद, कंप्यूटर ऑपरेटर 776 पद, फैसिलिटेटर 670 पद।

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

किसी भी मान्यता प्राप्त संस्थान से ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन की डिग्री साथ में वर्क एक्सपीरियंस।

आयु सीमा

18 - 23 साल

फीस

जनरल, ओबीसी, एमओबीसी 350 रुपए

एससी, एसटी 250 रुपए

वैलिड बीपीए सर्टिफिकेट होल्डर्स के लिए 250 रुपए

सैलरी

पद के अनुसार 21,250 - 35,760 रुपए प्रतिमाह

सिलेक्शन प्रोसेस

रिटन एग्जाम के बेसिस पर

एग्जाम पैटर्न

जनरल इंग्लिश, जनरल नॉलेज और क्वांटिटेव एप्टिट्यूट से 150 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे।

कंप्यूटर नॉलेज से 50 और कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी टेस्ट (प्रेक्टिकल) से 50 अंकों के प्रश्न पूछे जाएंगे।

कंप्यूटर प्रोफिशिएंसी टेस्ट 50 अंकों की होगी।

ऐसे करें आवेदन :

ऑफिशियल वेबसाइट nrrmsvacancy.in पर जाएं।

रिक्रूटमेंट लिंक पर क्लिक करें। अप्लाई हियर लिंक पर क्लिक करके फॉर्म भरें।

फीस जमा करके फॉर्म का प्रिंटआउट निकाल लें।

नौसेना में 12वीं पास के लिए भर्ती नोटिफिकेशन जारी

इंडियन नेवी में भर्ती होने का बेहतरीन मौका

इंडियन नेवी ज्वाइन करने के इच्छुक युवाओं के लिए गोल्डन चांस आ गया है। भारतीय नौसेना ने एग्जीक्यूटिव एंड टेक्निकल ब्रांच के लिए भर्ती निकाली है। वहीं आवेदन की प्रक्रिया 06 दिसंबर 2024 से शुरू हो रही है। आवेदन पत्र भरने की आखिरी तारीख 20 दिसंबर 2024 है।

योग्यता

नेवी की इस भर्ती में आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों का किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड से 10+2 यानी 12वीं परीक्षा फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथ सब्जेक्ट में न्यूनतम 70 प्रतिशत अंक होने चाहिए। इसके अलावा अभ्यर्थियों के 10वीं और 12वीं में इंग्लिश विषय में 50 प्रतिशत अंक होने चाहिए। योग्यता संबंधित विस्तृत जानकारी अभ्यर्थी भर्ती के आधिकारिक नोटिफिकेशन से चेक कर सकते हैं।

आयुसीमा

एज लिमिट– नेवी की इस भर्ती प्रक्रिया में शामिल होने के लिए उम्मीदवारों की जन्मतिथि 02 जनवरी 2006 से 01 जुलाई 2008 तक होनी चाहिए।

हाइट– नेवी के लिए अभ्यर्थियों की हाइट 157 सेमी होनी चाहिए।

चयन प्रक्रिया– इस भर्ती में उम्मीदवारों का चयन सीधे JEEMAIN 2024 कॉमन रैंक लिस्ट के आधार पर किया जाएगा। इसी बेस पर उम्मीदवारों को एसएसबी इंटरव्यू के लिए शॉर्टलिस्ट किया जाएगा। जिसके बाद मेरिट लिस्ट तैयार की जाएगी।

कनाडा में 10 लाख से कम में करें एमबीए

कनाडा भारतीय छात्रों के बीच पढ़ाई के लिए काफी ज्यादा पॉपुलर है। हर साल लाखों भारतीय छात्र पढ़ने के लिए कनाडा में एडमिशन लेते हैं। कनाडा में कई सारे विषयों की पढ़ाई करवाई जाती है, जिसमें मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन यानी एमबीए भी शामिल है। दुनियाभर में मैनेजमेंट के लिए सबसे ज्यादा पॉपुलर कोर्स मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन है। इस कोर्स की पढ़ाई लगभग हर देश में करवाई जाती है।

यूनिवर्सिटी ऑफ अल्बर्टा

अल्बर्टा स्कूल ऑफ बिजनेस कनाडा के सबसे पुराने संस्थानों में से एक है। यूनिवर्सिटी में एमबीए की पढ़ाई करने पर आपको केस स्टडी, लेक्चर, प्रैक्टिकल, मेंटरशिप और इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स करने और जानने का मौका मिलेगा। यहां पर एमबीए की एक साल की फीस लगभग 5 लाख रुपये है।

यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिंस एडवर्ड आईलैंड

भारतीय छात्रों के लिए एमबीए की पढ़ाई यूनिवर्सिटी ऑफ प्रिंस एडवर्ड आईलैंड में करना फायदे का सौदा है। इसकी एक वजह ये है कि यहां पर आपको महज 6 लाख रुपए सालाना की फीस पर एमबीए करने का मौका मिलेगा। साथ ही साथ एडवर्ड आईलैंड पर कनाडा के अन्य हिस्सों की तुलना में रहने-खाने का खर्च कम है।

विल्फ्रिड लॉरियर यूनिवर्सिटी

विल्फ्रिड यूनिवर्सिटी के पास दो एमबीए स्पेशलाइजेशन के साथ कई एक्रिडेशन हैं। विल्फ्रिड में पढ़ाए जाने वाले कोर्सेज कनाडा में पीएचडी करने के इच्छुक छात्रों के लिए बिल्कुल फिट हैं। इस यूनिवर्सिटी में एमबीए के लिए आपको सालाना 8 लाख रुपए फीस देनी होगी।

आईटीबीपी में निकली हैं कॉन्स्टेबल सहित अन्य पदों पर बंपर भर्ती, जानें सिलेक्शन प्रोसेस

सरकारी नौकरी में दिलचस्पी रखने वाले युवाओं के लिए यह खबर काफी काम की है। दरअसल, ITBP में कांन्सटेबल समेत कई पदों पर भर्तियां निकली हैं। आवेदन करने के लिए आप आधिकारिक वेबसाइट पर जा सकते हैं। आवेदन की आखिरी तारीख 26 नवंबर 2024 है।

रोजगार की तलाश में युवाओं के लिए यह खबर काफी काम की है। जो लोग सरकारी नौकरी करना चाहते हैं तो यह लेख आपके लिए है। दरअसल, ITBP में कांन्सटेबल समेत कई पदों पर भर्तियां निकली हैं। भारत-तिब्बत सीमा पुलिस बल में असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर सहित अन्य पदों पर भर्ती निकली है। अधिक जानकारी के लिए उम्मीदवार आईटीबीपी की ऑफिशियल वेबसाइट itbpolice.nic.in पर जाकर आवेदन कर सकते हैं।

वैकेंसी डिटेल्स

असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (प्रयोगशाला तकनीशियन) 7 पद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (रेडियोग्राफर) 3 पद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (ओटी तकनीशियन) 1 पद, असिस्टेंट सब इंस्पेक्टर (फिजियोथेरेपिस्ट) 1 पद, हेड कॉन्स्टेबल (सीएसआर असिस्टेंट) 1 पद, कॉन्स्टेबल (चपरासी) 1 पद, कॉन्स्टेबल (टेलीफोन ऑपरेटर सह रिसेप्शनिस्ट) 2 पद

कॉन्स्टेबल (ड्रेसर) 3 पद, कॉन्स्टेबल (लिनन कीपर) 1 पद, कुल पदों की संख्या 20 पद।

आयु सीमा: 18 से 28 साल

एजुकेशनल क्वालिफिकेशन

– 12वीं पास, संबंधित क्षेत्र में डिप्लोमा, वर्क एक्सपीरियंस

फीस

– जनरल, ओबीसी, आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग (EWS) – 100 रुपए

– SC, ST, महिला, भूतपूर्व सैनिक– नि:शुल्क

सिलेक्शन प्रोसेस

– फिजिकल एफिशिएंसी टेस्ट

– फिजिकल स्टैंडर्ड टेस्ट

– लिखित परीक्षा

– डॉक्यूमेंट्स वेरिफिकेशन

– डिटेल मेडिकल टेस्ट (DME)/ रिव्यू मेडिकल टेस्ट (RME)

कैसे करें आवेदन

– सबसे पहले आप ऑफिशियल वेबसाइट itbpolice.nic.in पर जाएं।

– जरुरी डॉक्यूमेंट्स सिग्नेचर, फोटो, आईडी प्रूफ अपलोड करें।

– इसके बाद आवेदन फीस का भुगतान करें। फिर आप सब्मिट करें और इसका प्रिंटआउट लेकर रख लें।

एक नहीं है एजुकेशन लोन और पीएम विद्यालक्ष्मी योजना, जानिए दोनों में क्या है अंतर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू की गई पीएम विद्यालक्ष्मी योजना छात्रों के लिए एक नया अवसर लेकर आई है। यह योजना विशेष रूप से उन विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, जो उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए वित्तीय सहायता की तलाश में हैं। हालांकि यह शिक्षा ऋण की तरह ही एक वित्तीय सहायता योजना है, लेकिन यह योजना पारंपरिक एजुकेशन लोन से कई मायनों में अलग है। आइए जानते हैं कि कैसे पीएम विद्यालक्ष्मी योजना एजुकेशन लोन से अलग है और इसके क्या फायदे हैं।

प्रधानमंत्री विद्यालक्ष्मी योजना भारत सरकार की एक पहल है, जिसका उद्देश्य छात्रों को उच्च शिक्षा के लिए आसानी से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना है। इस योजना के तहत, विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति, लोन और अन्य वित्तीय सेवाओं तक पहुंच प्रदान की जाती है। यह योजना भारतीय छात्रों को विदेशों में और घरेलू स्तर पर भी उच्च शिक्षा के लिए आवश्यक वित्तीय सहायता प्राप्त करने का अवसर देती है।

दूसरी तरफ, एजुकेशन लोन छात्रों को उनकी उच्च शिक्षा के लिए बैंक या अन्य वित्तीय संस्थानों द्वारा दिया जाने वाला ऋण होता है। यह ऋण विभिन्न शिक्षा संस्थानों से संबंधित ट्यूशन फीस, किताबों, रहने की व्यवस्था, यात्रा और अन्य खर्चों को कवर करने के लिए प्रदान किया जाता है। इस ऋण को सामान्यत: निश्चित समय अवधि के भीतर लौटाना होता है, और इसके साथ ब्याज भी जुड़ा होता है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना न केवल लोन बल्कि छात्रवृत्ति भी प्रदान करती है। छात्रों को शिक्षा के साथ-साथ वित्तीय सहायता की अन्य सेवाएं भी इस योजना के तहत मिलती हैं, जैसे कि बैंक लोन, स्कॉलरशिप और लोन पर रियायत। वहीं, एजुकेशन लोन में केवल लोन की सुविधा होती है, जिसका भुगतान बाद में ब्याज सहित करना होता है। इसमें छात्रवृत्ति की कोई व्यवस्था नहीं होती।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत छात्रों को विशेष रियायती ब्याज दरें मिल सकती हैं, क्योंकि इसे सरकार के द्वारा वित्तपोषित किया जाता है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थियों को कम ब्याज दरों पर लोन प्रदान करना है, ताकि वे आसानी से अपनी शिक्षा को पूरा कर सकें। वहीं, एजुकेशन लोन में ब्याज दरें बैंक या वित्तीय संस्थान द्वारा तय की जाती हैं। हालांकि सरकार द्वारा प्रदान किए जाने वाले लोन पर भी कुछ रियायतें हो सकती हैं, लेकिन आमतौर पर ब्याज दर अधिक होती है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना में छात्रों को एक ही जगह पर विभिन्न लोन और स्कॉलरशिप के लिए आवेदन करने का अवसर मिलता है। इसके लिए एक केंद्रीकृत ऑनलाइन पोर्टल की व्यवस्था की गई है, जहां से छात्र विभिन्न संस्थाओं के लोन और छात्रवृत्तियों के लिए आवेदन कर सकते हैं। वहीं, एजुकेशन लोन के लिए आवेदन प्रक्रिया अलग-अलग बैंकों में विभिन्न होती है। इसमें अधिकतर बैंक अपनी विशिष्ट पात्रता शर्तें और आवेदन प्रक्रिया रखते हैं। छात्रों को एक निश्चित बैंक से लोन प्राप्त करने के लिए उसके नियमों और शर्तों का पालन करना होता है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना छात्रों को शिक्षा के विभिन्न खर्चों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है, जिसमें ट्यूशन फीस, रहने का खर्च, यात्रा खर्च, पुस्तकें, और लैपटॉप/ कंप्यूटर जैसी अन्य आवश्यकताओं को भी शामिल किया जाता है। वहीं, एजुकेशन लोन में बैंकों द्वारा छात्रों को मुख्य रूप से ट्यूशन फीस, कोचिंग फीस, किताबों के खर्च, हॉस्टल शुल्क, और अन्य संबंधित खर्चों को कवर किया जाता है। कुछ बैंकों द्वारा लैपटॉप और अन्य उपकरणों के लिए भी लोन प्रदान किया जाता है, लेकिन यह केवल कुछ बैंकों की नीतियों पर निर्भर करता है।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत लोन चुकाने की प्रक्रिया सरल और लचीली होती है। इसके साथ ही छात्रों को शिक्षा पूरी होने के बाद, या कुछ मामलों में शिक्षा के दौरान, लोन चुकाने में आसानी मिलती है। कुछ योजनाओं में रियायत दी जाती हैं और लोन चुकाने की अवधि लंबी हो सकती है। वहीं, एजुकेशन लोन के तहत लोन चुकाने की प्रक्रिया आमतौर पर छात्र के शिक्षा पूरी करने के बाद शुरू होती है। इसमें कुछ बैंकों द्वारा छात्र को एक कूलिंग पीरियड दिया जाता है, लेकिन यह लोन चुकाने के लिए कड़े नियमों के साथ आता है। इसके साथ ही ब्याज दरें भी लागू होती हैं।

पीएम विद्यालक्ष्मी योजना के तहत लोन की राशि छात्रों के शिक्षा संस्थान और पाठ्यक्रम के अनुसार निर्धारित की जाती है। यह योजना अधिकतर शैक्षिक जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राशि प्रदान करती है। हालांकि, एजुकेशन लोन में लोन की राशि बैंक द्वारा तय की जाती है, और यह राशि आमतौर पर छात्रों की शैक्षिक जरूरतों के अनुसार होती है। कुछ मामलों में उच्च शिक्षा के लिए छात्रों को अधिक लोन राशि मिल सकती है।

ट्रैवल और टूरिज्म सेक्टर में है शानदार करियर, कहां- कहां है जॉब के मौके

देश की टूरिज्म इंडस्ट्री तेज रफ्तार से बढ़ रही है। हाल में पेश हुए बजट में नए टूरिस्ट डेस्टिनेशन विकसित किए जाने की घोषणा के बाद से इसकी गति और तेज होने की संभावना बढ़ गई है यानी इस क्षेत्र में करियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए अवसरों की कोई कमी रहने वाली नहीं है। वर्ल्ड ट्रैवल एवं टूरिज्म काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2019 में ट्रैवल एवं टूरिज्म के जीडीपी में योगदान के संदर्भ में भारत का दुनिया के 185 देशों में 10वां रैंक था, जबकि देश के कुल रोजगार में पर्यटन क्षेत्र का योगदान 8.78 प्रतिशत था। कोरोना महामारी के बाद यह सेक्टर फिर से तेजी से आगे बढ़ रहा है।

बढ़ती संभावनाएं: भारत जैसे विविधता वाले देश में पर्यटन की अपार संभावनाएं हैं। यहां की संस्कृति, संगीत, हस्तकला, खानपान से लेकर नैसर्गिक सुंदरता हमेशा से देसी-विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करती रही हैं। इससे शहरों के अलावा ग्रामीण क्षेत्रों में भी रोजगार के नए अवसर सृजित होते हैं। कुछ समय पूर्व ही पर्यटन मंत्रालय ने कहा था कि वर्ष 2030 तक भारत सरकार ने देश में 14 करोड़ नौकरियां सृजित करने का लक्ष्य रखा है। पर्यटन उद्योग के जरिये करीब 56 अरब डालर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने का भी लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जाहिर है इसे हासिल करने के लिए विशेष तौर पर क्रूज टूरिज्म, इकोटूरिज्म एवं एडवेंचर टूरिज्म को विकसित करने पर जोर होगा। इसके अलावा, 'स्वदेश दर्शन-2' योजना के तहत देश के सीमावर्ती क्षेत्रों एवं गांवों तक पर्यटकों को जोड़ने का प्रयास होगा। योजना के जरिये सभी तीर्थ स्थलों पर परिवहन, रोजगार, भोजन आदि आवश्यक चीजों पर ध्यान दिया जाएगा। घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए 'देखो अपना देश' मुहिम भी शुरू की जाएगी।

हैं ढेरों विकल्प: नौकरी डाट काम, इंडीड, ग्लासडोर जैसे जाब सर्च पोर्टल्स पर गौर करें, तो पाएंगे कि इन दिनों ट्रैवल एवं टूरिज्म सेक्टर में ट्रैवल कंसल्टेंट, टूरिज्म मैनेजर, टूरिज्म रिलेशनशिप मैनेजर, इनबाउंड टूर मैनेजर, टूर एग्जीक्यूटिव, सेल्स मैनेजर, आउटबाउंड एवं डोमेस्टिक टूर मैनेजर, ट्रैवल काउंसलर, आपरेशंस मैनेजर, ट्रैवल बुकिंग एग्जीक्यूटिव आदि की काफी मांग है। युवा बतौर ट्रैवल एजेंट, टूर गाइड एवं गेस्ट रिलेशन आफिसर भी कार्य शुरू कर सकते हैं।

जिला कलेक्टर उत्सव कौशल ने अधिकारियों की बैठक ली

डीग 20 नवंबर। जिला कलेक्टर डीग उत्सव कौशल ने मंगलवार को पंचायत समिति सभागार में एसआईटी, एनकोर्ड एवं राजस्व अधिकारियों की बैठक ली। एसआईटी की बैठक में परिवहन विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि अवैध खनन, निर्गमन, भंडारण एवं ओवरलोडिंग के रोकथाम के लिए जिला कलेक्टर डीग द्वारा दिए गए निर्देशों की अनुपालना में अप्रैल 2023 से मार्च 2024 तक 198 ओवरलोड चालान बनाए गए जिनमें से 67 वाहनों को जब्त किया गया तथा 39.37 लाख की प्रशमन राशि वसूली गई। वहीं वित्तीय वर्ष 2024.25 में 1 अप्रैल 2024 से 18 नवंबर 2024 तक कुल 247 ओवरलोड वाहनों का चालन काटा गया और 56 वाहनों को जब्त किया गया। राज्य सरकार की एमनेस्टी स्कीम जो 10 फरवरी 2024 से लागू हुई जो की आदेश 10 जुलाई 2024 के द्वारा दिसंबर 2024 तक बढ़ाई गई है उक्त योजना के अंतर्गत परिवहन विभाग द्वारा पंजीयन वाहनों के पंजीयन निलंबन के पश्चात प्राप्त राशि को उक्त स्कीम में जमा करवाया गया है। ओवरलोड खनिज परिवहन के पंजीयन निलंबन से 629.31 लख रुपए की राशि प्राप्त हुई है। ओवरलोड चालान के संबंध में आठ माह में 56.26 लाख रुपए की वसूली परिवहन विभाग द्वारा की गई। सबसे ज्यादा प्रशमन राशि जून माह में 13.01 लाख उसके बाद जुलाई माह में 12.81 लाख की राशि विभाग द्वारा प्राप्त की गई। वर्ष 2024.25 में 162 बिना नंबर प्लेट के चालान काटे गए इनमें सबसे अधिक 50 नंबर प्लेट के चालान जून माह में काटे गए हैं। नंबर प्लेट चालान से 4.75 लाख की प्रशमन राशि अर्जित की गई।

अधिकारियों की बैठक लेते जिला कलेक्टर।

जिला कलेक्टर ने कहा कि ऐसी कार्रवाई सभी विभाग निरंतर करते रहे ताकि अवैध खनकर्ताओं में भय बना रहा है। उन्होंने खनिज अभियंता को निर्देशित किया कि अवैध खनन के रोकथाम के लिए वे विशेष रूप से पहाड़ी क्षेत्र में ध्यान केंद्रित करें। प्रदूषण के लिए सरकार द्वारा नियमों का हवाला देते हुए उत्सव कौशल ने खनिज विभाग के अधिकारी को निर्देशित किया कि वे लिखित में स्टेटमेंट जारी करें कि डीग जिले में किसी भी प्रकार की एक्सकेवेशन गतिविधियां नहीं की जा रही है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण विभाग एनसीआर क्षेत्र में प्रदूषण को लेकर सतर्क है ऐसे में खनन से होने वाला प्रदूषण पर पूर्ण रोकथाम लगाया जाए। राइजिंग राजस्थान 2024 में डीग जिले में किए गए एमओयू की जानकारी लेते हुए कलेक्टर ने एमओयू का समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा है। नारकोटिक्स के संबंध में शिक्षा विभाग, कॉलेज आदि को निर्देशित किया गया कि वे छात्रों के अंदर हानिकारक ड्रग्स इस्तेमाल से बचाव के लिए जागरूकता अभियान चलाए। जिले में नारकोटिक्स को लेकर संयुक्त कार्रवाई करने पर पुलिस विभाग के अधिकारी से चर्चा की गई और जल्द ही एक संयुक्त कार्रवाई को अंजाम देने के निर्देश दिए गए। राजस्व बैठक में उपखंड अधिकारी डीग–कुम्हेर को बटवारा सहित अन्य प्रकरणों में लंबित कार्य शीघ्र पूर्ण करने को कहा गया।

श्रद्धापूर्वक मनाई पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती

भरतपुर 20 नवम्बर। जिला कांग्रेस कमेटी एवं शहर कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान में देश की पूर्व प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी की जयंती जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा की अध्यक्षता में श्रद्धापूर्वक जिला कांग्रेस कार्यालय पर मनाई गई।

जिला कांग्रेस संगठन महासचिव योगेश सिंघल ने बताया कि सर्वप्रथम स्व इंदिरा गांधी की तस्वीर पर माल्यार्पण कर पुष्प अर्पित किए गएए तत्पश्चात संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी की अध्यक्षता करते हुए जिलाध्यक्ष दिनेश सूपा ने श्रीमती इंदिरा गांधी को आयरन लेडी बताते हुए उन्हें मां दुर्गा का अवतार भी बताया। सूपा ने कहा कि श्रीमती गांधी ने अपनी ताकत, प्रभाव एवं कार्यक्षमता की बदौलत देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत पहचान दिलाई। इस मौके पर जिलाध्यक्ष सूपा ने पार्टी कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर पार्टी हित में कार्य करने का भी आवाहन किया। संगोष्ठी में साहब सिंह एडवोकेट, सतीश सोगरवाल, जगदीश बंजी, रमेश धावई, राजीव, श्याम सिंह गुर्जर ने गांधी के जीवन चरित्र पर प्रकाश डाला। इस मौके पर योगेश सिंघल, श्रीभगवान कटारा, दीनदयाल जाटव, रामेश्वर सैनी, मनोज शर्मा, भारत गोदोली, अजयपाल दारापुरिया, मुकेश जाटव, हरीसिंह नागर, अशोक लवानियां, प्रेम प्रजापत आदि मौजूद रहे।

इंदिरा गांधी की पुण्यतिथि पर आयोजित गोष्ठी को सम्बोधित करते वक्ता।

भूरी सिंह व्यायामशाला पर पूर्व प्रधानमंत्री स्व. श्रीमति इंदिरा गांधी के 107वें जन्म दिवस पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें याद किया गया व देश के लिए दिए गए उनकके योगदान की प्रशंसा की गई। श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में पूर्व सांसद पंडित रामकिशन, चुन्नी कप्तान, धर्मेन्द्र शर्मा, दिनेश सूपा, आदित्यराज शर्मा, दयाचंद पचोरी, जाट सभा के बाबूसिंह रेंजर, कमाडेंट ओमवीर सिंह, दीनदयाल, योगेकश सिंघल, रेनू गोरावर, श्याम अरोडा, पंकज सतीजा, रमेश पाठक, सेवादल के निरंजन सिंह, राजीव सिंह, रामेश्वर सेनी, ब्रजेन्द्र चीमा, ब्रजेश शर्मा, रमेश सतीजा, मनीष शर्मा, ओमप्रकाश ठाकुर, आदि प्रमुख थे।

अवैध कनेक्शनकर्ताओं के घरों पर नोटिस किया चस्पा

डीग 20 नबम्बर। जन स्वास्थ्य अभियांत्रिक विभाग द्वारा अवैध कनेक्शनों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के अंतर्गत मंगलवार को डीग शहर के पाण्डे मौहल्ला डीग में नोटिस चस्पा किए गये है ।सहायक अभियंता भावना मीणा ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार को 7 अवैध कनेक्शन कर्ताओं के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनके घरों पर नोटिस चस्पा किया गया है ।और तीन दिवस में नियमित कनेक्शन करवाने के लिए समय दिया गया है।

विद्यापीठ कॉलोनी में श्री खाटूश्याम का जागरण

भुसावर 20 नबम्बर। कस्बा भुसावर स्थित विद्यापीठ कॉलोनी में खाटूश्याम बाबा के रात्रि जागरण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आयोजन कमेटी के सदस्य मोहन सैनी द्वारा बाबा की पावन ज्योति जलाकर किया गया। वहीं कार्यक्रम का श्री गणेश कलाकार विष्णु वृजवासी द्वारा गणपति बंदना, हनुमान बंदना, सरस्वती बंदना, गुरू बंदना के साथ किया गया।

भुसावर में आयोजित हुए विशाल खाटूश्याम जागरण की जानकारी मिलते ही स्थानीय सहित दूर दराज क्षेत्र के लोग दरबार में पहुँचे और हाजरी लगायी। कलाकार गुलाब तुफानी, कलाकार लखन गामा ने अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से जीवन में गौमाता का महत्व बताया। बाल कलाकार तनिषा सैनी की प्रस्तुति ने सभी को मोहित कर दिया। कार्यक्रम का समापन प्रातः महाआरती के बाद प्रसादी वितरण करते हुए किया गया।

सजा श्री खाटू श्याम बाबा का दरबार।

महाविद्यालय में कौमी एकता का उदघाटन

भरतपुर 20 नवम्बर। श्री अग्रसेन महिला स्नातकोत्तर महाविद्यालय, भरतपुर में एनएसएस की दोनों संयुक्त ईकाईयों के तत्वाधान में सात दिवसीय कौमी एकता दिवस का उदघाटन किया गया।

कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ. गम्भीर सिंह ने सरस्वती प्रतिमा के आगे दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का विधिवत प्रारम्भ किया। कार्यक्रम में डॉ. केके शर्मा ने स्वयंसेविकाओं को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलवायी। इसके साथ ही एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रूवी सिंघल ने स्वयंसेविकाओं को कौमी सप्ताह के अन्तर्गत होने वाली विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी रीना सिंघल, डॉ. सीमा जादौन, गणेश मिश्रा, भूपेन्द्र सिंह, योगेश्वरी आदि संकाय सदस्य उपस्थित रहे।

कलक्ट्रेट पर धरने पर बैठे किसान।

दिव्यांग स्कूटी योजनान्तर्गत आक्षेपों की पूर्ति करने की अंतिम तिथि 25 नवम्बर

भरतपुर 20 नवम्बर। संयुक्त निदेशक सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग ने बताया कि मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना 2024–25 में जिन दिव्यांगजनों ने दिव्यांग स्कूटी योजनान्तर्गत आवेदन किये हैं, उनके आवेदन पत्रों की कार्यालय स्तर पर जांच करके आक्षेप लगाये गये हैं।

संयुक्त निदेशक ने बताया कि जिन दिव्यांगजनों के आवेदन पत्रों पर आक्षेप लगाये गये हैं, उन्हें दूरभाष एवं उनकी एसएसओ आईडी पर मैसेज एवं दूरभाष के माध्यम से उनके आक्षेपों के बारें में अवगत करा दिया गया है। उन्होंने सभी दिव्यांगजन आवेदकों से अपील की है कि वे उक्त आक्षेप/कमी की पूर्ति 25 नवम्बर 2024 तक करना सुनिश्चित करें। यदि आपके द्वारा नियत तिथि तक आक्षेपों की पूर्ति नहीं की गयी तो आपका आवेदन पत्र स्वतः ही निरस्त हो जाएगा। जिसकी समस्त जिम्मेदारी आप स्वयं की होगी।

भीम सिंह बने मीडिया प्रभारी

भरतपुर 20 नवम्बर। श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष विकास अग्रवाल ने भीम सिंह राजपूत को श्री खाटू श्याम सेना ट्रस्ट में भरतपुर जिला मीडिया प्रभारी मनोनीत किया है। वही ट्रस्ट की नीतियों एवं सिद्धांतों से जन मानस को अवगत कराएंगे।

बयाना के 3 छात्रों की मथुरा में मौत, बाइक सवारों को तेज रफ्तार बस ने रौंदा, ओवरटेक के कारण हुआ हादसा

बयाना 20 नवंबर । बयाना के बाइक सवार 3 छात्रों में मंगलवार को यूपी के मथुरा जिले के मगोर्रा थाना क्षेत्र में जाजम पट्टी के पास प्राइवेट बस ने टक्कर मार दी। हादसे में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि उनका एक साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। जबकि घायल युवक को इलाज के लिए आगरा रेफर किया गया है।

मगोर्रा थाना प्रभारी निरीक्षक मोहित तोमर के अनुसार मंगलवार को भरतपुर जिले के बयाना तहसील के गांव नगला मडपुरिया निवासी रितेशए गांव शेरगढ निवासी मुकुल, भरतपुर निवासी चेतन और बयाना के पठानपाडा निवासी रामकेश एक ही बाइक से भरतपुर से मथुरा की तरफ जा रहे थे। चारों छात्र मथुरा के गिर्राज महाराज कॉलेज के बीएससी एग्रीकल्चर के सेकंड ईयर के स्टूडेंट हैं। यह चारों जैसे ही जाजम पट्टी पुलिस चौकी से करीब 800 मीटर आगे पहुंचे कि तभी सामने से आती बस ने टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार चारों छात्र जमीन पर गिर गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक सवार छात्र जब जाजम पट्टी से 800 मीटर आगे पहुंचे तब उन्होंने आगे चल रही एक इको गाड़ी को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान सामने से मथुरा की तरफ से आ रही प्राइवेट बस ने उनकी बस में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि हादसे में बाइक सवार रितेशए चेतन और मुकुल की मौके पर मौत हो गई। जबकि रामकेश गंभीर रूप से घायल हो गया। चारों घर से अपने कॉलेज आ रहे थे। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मृतक तीनों छात्रों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। जबकि घायल रामकेश को पहले जिला अस्पताल भरतपुर भेजा। जहां हालत गंभीर होने पर उसे आगरा के लिए रेफर कर दिया। जानकारी मिलने पर परिजन भी पोस्टमॉर्टम हाउस पहुंच गए। जहां शवों को देखकर चीख पुकार मच गई।

सीएचसी मार्ग पर अव्यवस्थित वाहन खडा करने से मरीज परेशान

भुसावर 20 नबम्बर। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सडक मार्ग पर बेतरतीब वाहनों को खडा करने वाले चालकों पर प्रशासन द्वारा कोई कार्रवाही नही किये जाने से मरीजों को आवागमन में भारी परेशानियों का सामना करना पड रहा है। जिससे निजात दिलवाने को लेकर कई बार प्रशासन को अवगत करवाने के बाद भी कोई कार्रवाही नही होने से आमजन में भारी रोष व्याप्त है।

जलभराव एवं मुआवजे की मांग को लेकर किसान सभा ने दिया धरना

भरतपुर 20 नवम्बर। अखिल भारतीय किसान सभा की ओर से जलभराव की निकासी एवं फसल खराबे के मुआवजे की मांग को लेकर कलैक्ट्रेट पर पुनः एक दिन का सांकेतिक धरना दिया गया।

संगठन की ओर से हरभान सिंह ने बताया कि पिछले कई माह से इस मांग पर धरना व प्रदर्शन करते आ रहे हैं, लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं किया गया है। इसके चलते संगठन को संघर्ष तेज करने को विवश होना पड़ेगा, जिसकी सारी जबाबदेही मौजूदा सरकार एवं संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों की होगी। धरने पर 70 से अधिक किसान फसल के कार्य की व्यस्तता से समय निकालकर आन्दोलन में शामिल हुए। सांय लगभग 3 बजे प्रशासन से वार्ता करते हुए किसान नेताओं ने अफसोस जाहिर करते हुए कहा कि हम लगातार निवेदन करते चले आ रहे हैं, लेकिन प्रशासन सिर्फ आश्वासन ही देता रहा है इससे जाहिर होता है कि प्रशासन ही तेज आन्दोलन कराना चाहता है तो हम भी तैयार है। प्रदर्शनकारियों में नेतृत्व कामरेड नत्थीलाल, गिर्राज सिंह जघीना, रम्मो सिंह हवलदार, हरीसिंह पटेल, हरभान सिंह, ओमप्रकाश पटवारी पीरनगर, राधाकिशन शर्मा, देवीप्रसाद शर्मा, टीकम सिंह पटेल, बाबूलाल पूर्व सरपंच (गांवड़ी), सौदान सिंह चाहर, सोरन सिंह जिरौली, अशोक जघीना, जयपाल सिंह, जगवीर सिंह शामिल रहे।

पुलिस ने एक व्यक्ति को किया गिरफ्तार

डीग 20 नबम्बर। मकान में घुसकर जेवरात चोरी करने के मामले में खोह थाना पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। एएसआई जीतेन्द्र सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि सीताराम पुत्र बल्लो जाति गुर्जर निवासी खोह को गिरफ्तार किया है।

अग्रसेन गर्ल्स पीजी कॉलेज में कौमी एकता सप्ताह का हुआ शुभारंभ

बयाना 20 नवंबर। बयाना कस्बे के श्री अग्रसेन कन्या पीजी कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वाधान में मंगलवार से कौमी एकता सप्ताह की शुरुआत हुई। 24 नवंबर तक चलने वाले इस सप्ताह के तहत पहले दिन ष्माय भारत पोर्टलष् पर आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

एनएसएस प्रभारी मंजू अग्रवाल ने बताया कि युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालयए भारत सरकार द्वारा माय भारत पोर्टल युवाओं को उद्योगए सरकारी और गैर लाभकारी संस्थाओं में सीखने के अवसरों से जोड़ता है। इस पोर्टल पर युवाओं को अनुभवात्मक शिक्षा और कौशल निर्माण के अवसर मिलते है। इसके साथ ही सूक्ष्मए लघु और मध्यम उद्यमए युवा क्लबए और स्वंयसेवी कार्यों के लिए युवा माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण कराकर इसमें भागीदार बन सकते है। स्वंयसेविकाओं को माय भारत पोर्टल पर पंजीकरण प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्रदान की और अधिक से अधिक युवाओं को इस पोर्टल से जोड़ने के लिए प्रेरित किया। इसके अलावा वक्ताओं ने कहा कि कौमी एकता का मतलब विभिन्न संप्रदायों के लोगों का एक साथ मिलजुल कर आपसी सामाजिक सद्भाव और सौहार्द की भावना के साथ रहना है। भारत देश में विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ रहते हैंए यही कौमी एकता की सुंदरता है। जिसके कारण भारत की विश्व में अलग पहचान होती है।

इस मौके पर प्रवक्ता डॉ. कुमार गौरव, धनंजय गुप्ता, ऋतु मित्तल, विष्णु गोयल, स्वंयसेविका आरती, नीरू, पारूल, रोशनी, काजल, शिवानी, नेहा आदि मौजूद रहीं।

मरीजों को वितरित किया नाश्ता

भरतपुर 20 नवम्बर। घर-घर शिक्षा फाउंडेशन के तहत जनाना अस्पताल में सभी मरीजों के लिए बिस्कुट और नाश्ते का वितरण किया गया। इसके साथ-साथ समस्त टीम की ओर से सफाई का भी पूर्ण ध्यान रखा गया। फाउंडेशन का उद्देश्य उचित समय पर उचित पूर्ण भोजन एवं शिक्षा सभी को उपलब्ध कराना है। इस कार्य में समस्त कार्यकर्ताओं ने सहयोग दिया मुख्य रूप से संस्था के संचालक दिलीप तेरहिया का पूर्ण योगदान रहा। इस मौके पर श्यामवीर चौधरी, पवन शर्मा, उदय सिंह तेरहिया, भूदेव सिंह तेरहिया, विकेश तेरिया, विनोद कुमार, राहुल आदि मौजूद रहे।

जिला स्तरीय संपादक मण्डल की बैठक 27 को

भरतपुर 20 नवम्बर। भरतपुर जिले का गजेटियर सम्पूर्ण ड्राफ्ट (पृष्ठ संख्या 1–1444) जिला स्तर पर जिला स्तरीय संपादक मण्डल द्वारा अनुमोदन किया जाना है। इस क्रम में जिला कलक्टर डॉ. अमित यादव के आदेश पर गठित जिला स्तरीय संपादक मण्डल की बैठक का आयोजन 27 नवम्बर को प्रातः 10 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में किया जायेगा।

किसानों को कृषि विभाग के अधिकारियों ने उन्नत तकनीक से जुताई, बुवाई करने की दी जानकारी

बयाना 20 नवम्बर। बयाना के कृषि कार्यालय में कृषि विभाग की ओर से मंगलवार को। आयोजित किया गया कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजकों की अदूरदर्शित व मनमानी के चलते मात्र औपचारिकता बनकर रह गया। संबंधित अधिकारियों व आयोजकों की ओर से इसकी जानकारी और सूचना पूर्व में किसानों को नहीं दिए जाने के कारण इस शिविर में कोई अधिक किसान उपस्थित नहीं हो सके थे।

विभागीय अधिकारियों व आयोजकों की माने तो इस शिविर में रवि मौसम पूर्व कृषक गोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें उप परियोजना निदेशक अमर सिंह ने किसानो को आत्मा परियोजना व मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना के बारे में जानकारी दी। व मृदा स्वास्थ्य कार्ड की सिफारिश के अनुसार संतुलित पोषक तत्व प्रबंधन के बारे में बताया । कृषि अधिकारी रूपेंद्र सिंह मीणा ने किसानो को रवि मौसम से पूर्व फसलों की बुवाई की आधुनिक तकनीक के बारे में बताते हुए वर्तमान मौसम परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बीज उपचार कर उचित बीज दर तापमान एवं आद्रता को ध्यान में रखकर फसल बुवाई करने की सलाह दी। कृषि अधिकारी हरभान सिंह ने फसलों में लगने वाले विभिन्न कीट व्याधि एवं रोगों से बचाव के उपाय बताए ।

गोष्ठी में सहायक कृषि अधिकारी साहब सिंह, सत्यपाल सिंह, मुकेश चंद, कृषि पर्यवेक्षक रोहतास पूनिया, गजेंद्र सिंह, दिनेश चंद, देशराज, समर सिंह एशिवराज, कीर्ति गुर्जर आदि मौजूद रहे। जिन्होंने परंपरागत–कृषि विकास योजना, गोवर्धन योजना, जैविक खेती को भी अपनाने पर जोर दिया।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सरोज शर्मा के लिए सांध्य ज्योति दर्पण प्रिंटर्स, डी.एल. टॉवर, 3-ए, विद्याश्रम इंस्टीट्यूशनल एरिया, जे.एल.एन. मार्ग, जयपुर से मुद्रित व सिटी कोतवाली के पास, भरतपुर से प्रकाशित सम्पादक- जगदीश अग्रवाल फोन नं. 05644-223780, मो. 9414023410,जयपुर कार्यालयः डी.एल.टावर 3-ए- विद्याश्रम संस्थानिक क्षेत्र जेएलएन मार्ग, निदेशक बी.एम.शर्मा, सम्पादक महेन्द्र यादव फोन नं. 2709102-3, अलवर कार्यालय केडलगंज सम्पादक चन्द्रप्रकाश सैनी फोन नं. 2135105, 2701531, नागौर कार्यालय राजकीय चिकित्सालय के सामने नागौर सम्पादक रमेश जैन फोन नं. 240071 डाक पं.स./ बीटीपी/2018-20, आरएनआई नं. 48651/90